yashbharat.co.in
हर वक्त की ताजा खबरों के लिए विजिट करें

यश भारत

नये जमाने के साथ..

"जीवन का एक नियम है कि अगर तुम प्रतीक्षा कर सको तो सभी चीजें पूरी हो जाती है..! लक्ष्य प्राप्ति तक निरंतर सकारात्मक कर्म करते रहिए।"

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन... पेज 7

● वर्ष- 17 अंक 175- ●जबलपुर ● बुधवार, 26 जुलाई, 2023 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● प्रथम श्रावण मास शुक्ल पक्ष 10 ● विक्रम संवत् 2080 शके 1935

आज का मौसम

आज सुबह का तापमान

26.4 डिसे

दोपहर 12 बजे तक

31. डिसे

बारिश होगी

» न्यूज गैलरी

अमर जवानों को याद कर रहा देश, पीएम मोदी ने भी किया नमन

नई दिल्ली ● ईएमएस
yashbharat.co.in

देश आज कारगिल विजय दिवस मना रहा है। साल 1999 में आज ही दिन देश के रणबांकुरों ने कारगिल की दुर्गम चोटी से पाकिस्तानी सेना को खदेड़ कर तिरंगा फहराया था। इन भारतीय वीरों की त्याग और समर्पण को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है।इधर, लद्दाख में भी 24वां कारगिल विजय दिवस मनाया जा रहा है, जहां द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर युद्ध में अपनी जान गंवाने वाले शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कारगिल युद्ध में शामिल भारतीय जवानों को नमन किया। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि 'कारगिल विजय दिवस भारत के उन अद्भुत पराक्रमियों की शौर्यगाथा को सामने लाता है, जो देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणाशक्ति बने रहेंगे। इस विशेष दिवस पर मैं उनका हृदय से नमन और वंदन करता हूं।

मप्र की लाड़ली बहना योजना में 21 वर्ष की विवाहित महिलाओं का पंजीयन प्रारंभ

भोपाल ● यशभारत
yashbharat.co.in

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के लिए अब 21 वर्ष की विवाहिता भी पात्र होंगी। योजना के प्रविधानों में संशोधन के साथ मंगलवार को पंजीयन प्रारंभ हो गया है। इसमें 21 से 23 वर्ष की विवाहित महिलाएं भी पंजीयन करा सकेंगी। अभी योजना में सवा करोड़ से अधिक महिलाएं पंजीकृत हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मीडिया से चर्चा में कहा है कि योजना के लिए पात्रता आयु घटाने के साथ यह प्रविधान भी कर दिया है। जिस परिवार में ट्रैक्टर होगा, उसकी महिलाएं भी योजना में शामिल होंगी।अभी ऐसे परिवारों को अपात्र की श्रेणी में रखा था, जिनके पास चार पहिया वाहन थे। इसमें ट्रैक्टर भी आ रहा था पर बड़ी संख्या में पांच एकड़ से कम भूमि वाले किसानों के पास भी ट्रैक्टर हैं और वे किराए पर भी चलाते हैं। इन परिवारों की विवाहित महिलाओं को भी योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए प्रविधान में संशोधन कर पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है।

रूसी वायुसेना ने चार महीने में दूसरी बार अमेरिकी ड्रोन को बनाया निशाना

नई दिल्ली ● ईएमएस
yashbharat.co.in

अमेरिका और रूस के बीच तनाव जारी है। इसी क्रम में, एक रूसी लड़ाकू जेट ने सीरिया के ऊपर अमेरिकी ड्रोन के पास खतरनाक तरीके से उड़ान भरी और उस पर हमला कर उसके प्रोपेलर को क्षतिग्रस्त कर दिया। यह जानकारी मंगलवार को अमेरिकी सेना ने दी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस पर एक बार फिर आसमान में गैर-पेशेवर व्यवहार का आरोप लगाया। वायु सेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्स ग्रिनकेविच ने बताया कि रविवार तड़के एक रूसी लड़ाकू विमान ने खतरनाक तरीके से अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन के करीब उड़ान भरी, उसे परेशान किया और सीधे ऊपर की स्थिति से फ्लेयर्स तैनात किए, जिससे विमानों के बीच केवल कुछ मीटर की दूरी थी। बता दें, फ्लेयर को किसी भी प्रकार के हेलीकॉप्टर, परिवहन विमान और जेट की सुरक्षा के लिए तैयार किया गया है।

शौर्य गाथा - आज कारगिल विजय दिवस

हर भारतीय के लिए बन गया गर्व का दिन

नई दिल्ली ● ईएमएस
yashbharat.co.in

कारगिल विजय दिवस। भारतीय सैनिकों के लिए गौरव का दिन। पाकिस्तानी सेना को धूल चटाने को याद करने का दिन। इस जीत को 24 साल पूरे हो रहे हैं। 1999 में पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ कर कश्मीर में कई चोटियों कब्जा कर लिया था। 3 मई को चरवाहों के जरिये भारत को पाकिस्तानी घुसपैठ की जानकारी मिली थी। आखिरकार 10 मई को पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ने के लिए ऑपरेशन विजय की शुरुआत हुई। भारतीय सेना ने कारगिल की पहाड़ियों पर चढ़ाई शुरू की। दुश्मन हजारों फीट ऊंची चोटियों पर कब्जा जमाए बैठे थे। ऐसे में भारतीय सेना के लिए चुनौती काफी कठिन थी। करीब 60 दिन तक चले इस युद्ध में भारतीय जाबांजों की बहादुरी से भारत ने इस युद्ध में जीत दर्ज की। युद्ध में करीब 500 सैनिक शहीद हुए। 1300 से अधिक सैनिक जख्मी हुए थे। 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध समाप्त हुआ। जानते हैं इस जीत के दौरान कुछ प्रमुख चोटियों पर कब्जे के बारे में।

36 घंटे की लड़ाई में टाइगर हिल पर तिरंगा

भारतीय सेना ने 11 घंटे की लड़ाई के बाद सबसे ऊंची चोटी टाइगर हिल पर कब्जा किया था। टाइगर हिल पर कब्जा करने में सूबेदार मेजर योगेंद्र यादव का अहम योगदान था। दुश्मनों से लड़ते हुए उन्हें 15 गोलियां लगी थीं। घायल होने के बावजूद उन्होंने पाकिस्तानी सेना की तरफ ग्रेनेड फेंका। इससे पाकिस्तानी सेना डर गई। उन्हें लगा कि भारतीय सेना के बैकअप के लिए कई सैनिक पहुंच चुके हैं। टाइगर हिल पर कब्जा करने के लिए 18 ग्रेनेडियर रेजिमेंट निकली थी। टाइगर हिल फतेह करने के लिए लेफ्टिनेंट बलवंत सिंह को भी महावीर चक्र से सम्मानित किया गया था।

तोलोलिंग चोटी : अकेले 48 को सुलाया मौत की नींद

द्रास सेक्टर की जिम्मेदारी लेफ्टिनेंट जनरल मोहिंद्र पुरी को सौंपी गई थी। भारतीय सेना की तरफ से तोलोलिंग चोटी पर कब्जा करने की एक कोशिश असफल हो चुकी थी। इसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल ने 2 राजपूताना राइफल्स को तोलोलिंग को जीतने की जिम्मेदारी सौंपी। भारतीय सेना ने 9 जून को बाल्टिक क्षेत्र में जब दो चौकियों पर कब्जा किया तो उनका जोश हाई हो गया। 12 जून को सीओ कर्नल रविंद्र नाथ ने तोलोलिंग फतह का प्लान बनाया। इसके बाद जवानों ने 13 जून को द्रास सेक्टर में तोलोलिंग की चोटी पर तिरंगा फहरा दिया। इस चोटी पर कब्जे के दौरान कोबरा दिगेंद्र सिंह ने 48 घुसपैठियों को मौत की नींद सुला दिया। इस दौरान उन्हें 5 गोलियां लगी थीं। तोलोलिंग पर कब्जे में कैप्टन विजयंत का भी अहम योगदान था।

प्वाइंट 5140 :कैप्टन विक्रम बत्रा का दिल मांगे मोर

कारगिल युद्ध के हीरे कैप्टन विक्रम बत्रा का प्वाइंट 5140 की जीत की अहम योगदान था। 20 जून को कैप्टन बत्रा ने ही इस प्वाइंट को पाकिस्तानी सेना के कब्जे से मुक्त कराया था। कैप्टन विक्रम बत्रा ने इसी चोटी से च्ये दिल मांगे मोरज का उद्घोष किया था। इसके बाद कैप्टन विक्रम बत्रा प्वाइंट 4875 को फतह करने के लिए बढ़ गए। उन्होंने यहां 5 पाकिस्तानी जवानों को मार गिराया। इस बीच उनके एक जवान को गोली लग गई। इसके बाद वे अपने जवान को उठाने के लिए आगे बढ़े। जैसे ही उन्होंने जवान को सिर की तरफ से उठाया उन्हें दुश्मन की गोली लग गई। इस जंग में शहादत के लिए उन्हें सर्वोच्च वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया।

बटालिक का जुबर हिल

टाइगर हिल के बाद भारतीय जाबांजों ने बटालिक सेक्टर के जुबर हिल पर कब्जा किया था। इसके बाद जाबाजों ने आगे बढ़ते हुए इसी सेक्टर में जुबर हिल पर कब्जे के लिए शौर्य का प्रदर्शन किया। जुबल हिल पर कब्जे में मेजर सरवनन शहीद हो गए थे। मेजर ने 29 मई को जुबर हिल्स के लिए एक प्लाटून का नेतृत्व किया था। उन्होंने दुश्मनों से दो बंकरों को अपने कब्जे में ले लिया था। युद्ध में चार दुश्मनों को मारने के बाद शहीद हो गए थे।

मणिपुर पर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस

कांग्रेस बोली-पीएम सदन में बोल नहीं रहे, अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी किया

नई दिल्ली ● एजेंसी
yashbharat.co.in

संसद के मानसून सत्र का आज पांचवां दिन है। कांग्रेस ने मणिपुर मुद्दे पर सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि हम नो-कॉन्फिडेशन मोशन ला रहे है। लोकसभा में कांग्रेस के व्हिप मनिकम टैगोर ने बताया कि हम पीएम मोदी का घमंड तोड़ना चाहते थे। वे संसद में आकर मणिपुर पर बयान नहीं दे रहे हैं। हमें लगता है कि इस आखिरी हथियार का इस्तेमाल करना हमारा कर्तव्य है। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा स्पीकर ऑफिस में अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया है। उधर, बीआरएस सांसद नामा नागेश्वर राव ने भी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव दायर किया है। सरकार चर्चा के लिए तैयार है, फिर भी विपक्ष हंगामा कर रहा है और इस कारण, संसद के मानसून सत्र में कोई काम नहीं हो पाया है। मौजूदा लोकसभा (17वीं) में यह पहली बार होगा, जब मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा है। इससे पहले 16वीं लोकसभा में 20 जुलाई 2018 को अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, जिसमें एनडीए सरकार ने 126 के मुकाबले 325 मतों से बहुमत साबित किया था।

संसद में हंगामा

संसद के मानसून सत्र के पांचवे दिन कार्रवाई शुरू हो गई है। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्रवाई 15 मिनट बाद ही कुछ देर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे बोलने लगे तो दोनों तरफ से नारेबाजी शुरू हो गई। जिसके चलते चेयरमैन धनखड़ ने सदन को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

अविश्वास प्रस्ताव पर सांसदों के बयान..

सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम- अविश्वास प्रस्ताव प्रधानमंत्री को संसद में आने मजबूर करेगा। हमें संसद में देश के मुद्दों, खासकर मणिपुर के मुद्दों पर चर्चा की जरूरत है। संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी- लोगों को पीएम और व्यक्तिपर भरोसा है। वे पिछले कार्यकाल में भी अविश्वास प्रस्ताव लाए थे। जनता ने उन्हें सबक सिखाया है। संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल- पहले वे चर्चा चाहते थे। जब हम तैयार हुए, तो उन्होंने नियमों का मुद्दा उठाया। अब वे नया मुद्दा लेकर आए कि पीएम आकर चर्चा शुरू करें। मुझे लगता है ये सभी बहाने हैं। शिव सेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी- अगर पीएम को संसद में लाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो हम इस देश की बहुत बड़ी सेवा करेंगे। सांसद एनके प्रेमचंद्रन- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष को अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए मजबूर होना पड़ा ताकि प्रधानमंत्री संसद में आएं।

अविश्वास प्रस्ताव क्यों लाना चाहता है विपक्ष

दरअसल, विपक्ष जानता है कि सरकार सदन में आसानी से बहुमत साबित कर देगी, लेकिन अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस स्वीकार होता है, तो प्रधानमंत्री का भाषण भी होगा। इससे सभी पार्टियों को चर्चा का मौका मिलेगा। यह सिर्फ सदन में सरकार को घेरने का तरीका है। अगर आंकड़ों की बात करें, तो अभी लोकसभा में NDA के 335 सांसद हैं। मोदी सरकार के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव 20 जुलाई 2018 में आया। तब सरकार को 325, विपक्ष को 126 वोट मिले थे।

यमुना में अजीबोगरीब नजारा, तेज आवाज के साथ आसमान में 10 फीट तक उठ रहा पानी

नई दिल्ली ● ईएमएस
yashbharat.co.in

उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में यमुना नदी में हरियाणा की तरफ अजीबोगरीब नजारा देखने को मिला रहा है. यहां यमुना नदी का पानी तेज आवाज के साथ आसमान की तरफ 10 फीट ऊपर उठता देख लोग चौंक गए. पानी की आवाज सुनकर यमुना किनारे पहुंचे ग्रामीण मामला समझ नहीं पा रहे हैं. कोई पाइप लाईन में रिसाव के कारण आवाज और पानी का हवा की तरफ बौछार जाने की बात कह रहा है तो कोई कुछ अंदाजा लगा रहा है. फिलहाल पानी हवा में 10 फीट तक ऊपर तेज आवाज के साथ उछल रहा है, जिससे हरियाणा की दूसरी साईड बागपत के जागोष गांव के लगे डरे सहमे हुए हे. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.वीडियो में आप देख सकते है कि किस तरह तेज आवाज के साथ यमुना के पानी का फुहार आसमान की तरफ उठ रहा है. देखने से लगता है कि किसी पाइप लाइन वगैरह में रिसाव हो रहा है. जिस कारण पानी प्रेशर की वजह से ऊपर की तरफ उठ रहा है, लेकिन स्थानीय लोगों ने बताया कि यमुना में कोई भी गैस पाइपलाइन नहीं डाली जा सकती. फिर सवाल खड़ा होता है कि आखिर ये मामला क्या है, जिसे कोई भी ग्रामीण नहीं समझ पा रहा है और सब डरे सहमे हुए हैं।

कांग्रेस का वचन पत्र तैयार, कमल नाथ आज कर सकते हैं बड़ी घोषणा

भोपाल ● यशभारत
yashbharat.co.in

कांग्रेस ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपना वचन पत्र तैयार कर लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ आज बड़ी घोषणा कर सकते हैं। पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं को डेढ़ हजार रुपये महीना देने, पांच सौ रुपये में रसोई गैस सिलेंडर, सौ यूनिट बिजली निश्शुल्क और दो सौ यूनिट आधी दर पर देने, पुरानी पेंशन योजना के साथ किसानों की कर्ज माफी की गारंटी की घोषणा की जा चुकी है।पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि इस बार महिला, युवा, किसान, अनुसूचित जाति-जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए अलग-अलग वचन पत्र तैयार किए गए हैं। विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष डा.राजेंद्र कुमार सिंह की अध्यक्षता वाली समिति ने सभी वर्गों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर अपनी ओर से अंतिम रूप दे दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के साथ भी बैठकें हो चुकी हैं। इन्हें बड़ा कार्यक्रम कर जारी किया जाएगा।

नासा की बत्ती गुल होने पर मचा घमासान

अंतरिक्ष यात्रियों से टूट गया संपर्क, लेनी पड़ी रूस की मदद

नई दिल्ली ● ईएमएस
yashbharat.co.in

नासा में बिजली कटने के कारण मंगलवार को मिशन कंट्रोल और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के बीच संपर्क टूट गया. मिशन नियंत्रण से स्टेशन पर आदेश नहीं भेजा जा सका और कक्षा में मौजूद सात अंतरिक्ष यात्रियों से बात नहीं की जा सकी. ह्यूस्टन के जॉनसन स्पेस सेंटर की इमारत में मरम्मत का काम चल रहा था, जिसके चलते बिजली गुल हो गई. रूस-यूक्रेन जंग के तनाव के बीच अमेरिका को बिगड़ने हालातों पर काबू पाने के लिए रूस की स्पेस एजेंसी की मदद लेनी पड़ी. अंतरिक्ष स्टेशन कार्यक्रम प्रबंधक जोएल मोंटेलबानो ने कहा कि न तो अंतरिक्ष यात्री और न ही स्टेशन कभी किसी खतरे में थे और बैकअप नियंत्रण प्रणाली ने 90 मिनट के भीतर काम संभाल लिया. बिजली गुल होने के 20 मिनट के भीतर, चालक दल को रूसी संचार प्रणालियों के माध्यम से समस्या के बारे में सूचित किया गया था. उन्होंने कहा कि नासा को उम्मीद है कि दिन के अंत तक समस्या का समाधान हो जाएगा और परिचालन सामान्य हो जाएगा.

तनाव के बीच पहली बार ली रूस की मदद

यह पहला मौका है जब इस तरह से स्पेस स्टेशन और नासा के कमांड सेंटर के बीच संपर्क टूटा है. बैकअप सिस्टम के माध्यम से चीजों को नियंत्रण में लाने के लिए मजबूर होना पड़ा हो. रूसी सिस्टम के माध्यम से अंतरिक्ष यात्रियों से बातचीत की गई. रूस के साथ तनाव के दौरान यह पहला मौका है जब अमेरिका स्पेस एजेंसी को उनकी मदद लेनी पड़ी हो. युद्ध के बावजूद दोनों देशों की स्पेस एजेंसियां एक साथ काम कर मिलकर काम कर रही हैं।

एलएसी पर टकराव से टूटा भरोसा...

चीन से दो टूक बोले एनएसए अजित डोभाल

नई दिल्ली ● एजेंसी
yashbharat.co.in

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में चीन के शीर्ष राजनयिक वांग यी से मुलाकात की। डोभाल और वांग की यह मुलाकात सोमवार को जोहानिसबर्ग में 'फ्रेंड्स ऑफ ब्रिक्स' की बैठक के इतर हुई। बैठक में डोभाल ने दो-टूक कहा कि एलएसी पर टकराव के कारण भरोसा टूटा है। भारत-चीन सीमा पर पश्चिमी सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति बिगड़ी है। इस चलते 2020 के बाद से सार्वजनिक और राजनीतिक संबंध कमजोर हुए हैं। इसके अलावा भरोसे में कमी आई है। दोनों ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अमन और शांति बहाली के प्रयास जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। उनका मानना है कि इसके जरिये द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की बाधाओं को दूर किया जा सकता है। इस बाबत विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी किया है।

थाउजेंड पाउंडर बम का सेंपल लाट सफलता पूर्वक बना

28 को जीएम जीआईएफ हरी झंडी दिखाकर ओएफके के लिए करेंगे रवाना

जबलपुर ● यशभारत
yashbharat.co.in

जीआईएफ ने सेना केलिए अति महत्वपूर्ण माने जाने वाले थाउजेंड पाउंडर बम के सेंपल के पांच बमों का लाट सफलता पूर्वक समय सीमा में तैयार कर लिया है।अब 28 जुलाई को जीआईएफ महाप्रबंधक सुकांत सरकार पहले लाट को हरी झंडी दिखा कर ओएफके के लिए रवाना करेंगे।पहला लाट बनने पर जीआईएफ के अधिकारियों और कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

उल्लेखनीय है कि करीब एक माह पूर्व जीआईएफ को 5 सौ थाउजेंड पाउंडर बम के खोल के निर्माण का बड़ा आर्डर मिला था।लेकिन ओएफके प्रबंधन ने जुलाई में आपूर्ति की समय सीमा की शर्त रखी थी।जीआईएफ के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसे संजीदगी से लिया।क्योंकि इसके उत्पादन पर निर्माणी का भविष्य निर्भर है।जीआईएफ प्रबंधन ने कर्मचारियों को विश्वास में लेकर बिना कोई विशेष व्यवस्था के अपने ही संसाधनों से समय पर तैयार कर लिया और अब इसे ओएफके रवाना करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इनका कहना है

पूरी निर्माणी ने एक जुटता और समर्पण से ओएफके द्वारा चाहे गये समय सीमा में पहले लाट का लक्ष्य पूरा कर लिया है।इसे महाप्रबंधक 28 जुलाई को हरी झंडी दिखाकर खमरिया रवाना करेंगे।इसके बाद नियमित उत्पादन पूरी गति से शुरू हो जाएगा।

कुमार मनीष
प्रशासनिक अधिकारी/पीआरओ
जीआईएफ जबलपुर

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की डेट फाइनल

15 जनवरी से 24 जनवरी 2024 के बीच, पीएम मोदी को मिला न्योता

नई दिल्ली ● ईएमएस
yashbharat.co.in

अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए केंद्र द्वारा गठित ट्रस्ट, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने अगले साल जनवरी में मंदिर के गर्भगृह में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है.

ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि प्राण प्रतिष्ठा 15 जनवरी से 24 जनवरी 2024 के बीच किसी भी दिन की जा सकती है और तारीख को पीएम के कार्यक्रम के अनुसार अंतिम रूप दिया जाएगा। सोमवार को मंदिर निर्माण समिति की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा, 'हमने प्रधानमंत्री को एक अनुरोध पत्र भेजा है.' पत्र के बारे में पूछे जाने पर चंपत राय ने कहा, 'ट्रस्ट ने पीएम से अनुरोध किया है कि कृपया अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालें. अगर वह (प्रधानमंत्री) इसमें शामिल होते हैं तो विश्व स्तर पर भारत की छवि को बढ़ावा मिलेगा।

स्वागत

मुख्यमंत्री के बनखेड़ी में जन-दर्शन के दौरान उमड़ा जन-सैलाव

गाजे-बाजे के साथ कहीं पुष्प-वर्षा से तो कहीं शॉल-श्रीफल से किया सम्मान

भोपाल ● यशभारत
yashbharat.co.in

विकास पर्व के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के मंगलवार को नर्मदापुरम के ग्राम बनखेड़ी में जन-दर्शन किया। इस दौरान नागरिकों ने उनका आत्मीय स्वागत और सम्मान किया। कहीं घरों की छत से, मुंडेर से, कहीं मंच से पुष्प-वर्षा की तो कहीं शॉल श्रीफल से मुख्यमंत्री श्री चौहान का आत्मीय स्वागत किया। लाड़ली बहनाओं द्वारा मुख्यमंत्री श्री चौहान की आरती उतारकर उनका स्वागत किया और अपने भैया को राखी भेंट कर फूल माला पहनाई गई। मुख्यमंत्री बनखेड़ी तिराहे से मस्जिद चौराहा मार्ग से जनदर्शन करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। मार्ग पर स्वागत द्वारों और रंग-बिरंगे गुब्बारों से पूरा शहर सजाया गया। मार्ग पर अनेक स्थानों पर मंच बनाए गए थे। जहाँ ग्राम पंचायतों, जनपद पंचायतों व जिला पंचायत के प्रतिनिधियों द्वारा उत्साह के साथ मुख्यमंत्री का सम्मान किया जा रहा था। इस दौरान ग्रामीण अंचल से बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ किसान व युवा भी शामिल हुए। विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता जन-दर्शन में शामिल हुए। जनहित में चलाई जा रही विभिन्न लोकहितकारी योजनाओं के नाम तखतियों पर लिखकर हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट किया।

कदम-कदम पर उत्साह का माहौल

मुख्यमंत्री श्री चौहान के बनखेड़ी आगमन पर नगर में कदम-कदम पर उत्साह का माहौल था। बच्चे, युवाओं, महिलाओं के साथ ही बुजुर्ग भी पीछे नहीं रहे। अनेक स्थानों पर स्वागत द्वार बनाए गए थे। सांसद राव उदयप्रताप सिंह, पिपरिया विधायक ठाकुर दास नागवंशी, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, दर्शन सिंह चौधरी, माधवदास अग्रवाल सहित अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल हुए।

जनता से मांगी माफी

हेलिकॉप्टर में खराबी के कारण मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आज का दौरा कार्यक्रम थोड़ा गड़बड़ा गया. हेलिकॉप्टर नहीं उड़ा तो उन्होंने गाड़ी से ही रास्ता तय किया और फिर समय पर न पहुंच पाने के कारण जनता से माफी मांगी. सीएम शिवराज सिंह चौहान रोद ताबड़तोड़ दौरों पर हैं. नर्मदापुरम के बनखेड़ी और सिवनी मालवा में जनदर्शन कार्यक्रम था लेकिन बनखेड़ी में हेलीकॉप्टर खराब होने की वजह से उड़ नहीं सका. इसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सिवनी मालवा के लिए सड़क मार्ग से रवाना हुए. यहां जनदर्शन कार्यक्रम में चौहान को 1.15 पर पहुंचना था लेकिन हेलीकॉप्टर में आई खराबी के कारण वो तय समय पर नहीं पहुंच पाए. इसके लिए मुख्यमंत्री ने सिवनी मालवा की जनता से माफी भी मांगी.मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बनखेड़ी से सिवनी मालवा सड़क मार्ग से रवाना होते हुए कार में बैठकर वीडियो बनाया और इसे सिवनी मालवा में इंतजार कर रही जनता तक पहुंचाया. मुख्यमंत्री ने वीडियो में कहा हेलिकॉप्टर खराब हो जाने के कारण बनखेड़ी में उतरना पड़ा है. सड़क मार्ग से सिवनी मालवा के लिए रवाना हुआ हूं. सिवनी मालवा पहुंच पाऊंगा. और विकास पर्व के कार्यक्रम में सीधे पहुंचकर आपसे संवाद करूंगा।

दिल्ली एयरपोर्ट पर स्पाइस जेट के विमान में आग लगी

नई दिल्ली ● एजेंसी
yashbharat.co.in

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खड़े स्पाइसजेट के विमान Q400 में मंगलवार शाम को आग लग गई। आग इंजन में मेंटेनेंस के दौरान लगी। जिस पर तुरंत काबू पा लिया गया। गनीमत रही है कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ।घटना से जुड़ा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें विमान से आग की लपटें उठती नजर आ रही हैं।

दमकल की टीम को बुलाया गया

स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने बताया कि 25 जुलाई की रात 8 बजे घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट पर क्यू400 विमान का मेंटेनेंस चल रहा था। तभी प्लेन के इंजन संख्या 1 का फायर अलार्म बजने लगा और प्लेन से लपटें उठने लगीं।अलार्म बजते ही मेंटेनेंस कर रहे वर्कर्स एक्टिव हो गए थे। उन्होंने फायर स्टिंगविशर की मदद से आग को बुझा दिया। एहतियात के तौर पर दमकल की टीम को बुलाया गया है। विमानन कंपनी के मुताबिक क्यू400 विमान में 78 से 90 यात्री बैठ सकते हैं।

» न्यूज गैलरी

माउंटेन मैन अंकित सेन यूरोप के माउंट एलब्रुस में लहराएंगे तिरंगा

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जबलपुर मझौली के एक छोटे से गांव पड़रिया के माउंटेन मैन के नाम से प्रसिद्ध अंकित सेन 15 अगस्त को यूरोप महाद्वीप के सबसे उंचे माउंटेन में

जाकर देश का राष्ट्रीय ध्वज लहराएंगे अंकित सेन जोक 26 जनवरी 2023 को अफ्रीका के सबसे ऊंचे शिखर माउंट किलिमंजारो के स्टेला पॉइंट में जाकर 350 फीट लंबा देश का राष्ट्रीय ध्वज लहरा चुके हैं । अंकित का सपना है दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह करना अंकित एक मजदूर के बेटे हैं उनके पिता की 6000 मासिक आय हैं उसके बावजूद अंकित का हौसला बुलंद है और वह अपने हर सपने को धीरे-धीरे पूरा कर रहे हैं।

जीआईएफ के तीनों श्रमिक नेताओं का निलंबन समाप्त

जबलपुर यशभारत। विगत सप्ताह एक अधिकारी से दुर्व्यवहार के आरोप में निलंबित मजदूर यूनियन के तीन श्रमिक नेता सोसायटी अध्यक्ष राजेंद्र कुर्मी यूनियन के महामंत्री मनोज साहू और कमल का निलंबन जीआईएफ प्रबंधन ने समाप्त कर उन्हें ड्यूटी पर वापिस ले लिया है।दोपहर में भोजनावकाश के समय जैसे ही खबर कर्मचारियों को लगी वे उनका स्वागत करने गेट पर पहुंचे और उन्हें माला तिलक के साथ निर्माणी में अंदर लेकर गए।ज्ञात हो कि विगत दिनों उन्हें निलंबित कर दिया था।जिसको लेकर तमाम सुरक्षा संस्थानों के श्रमिक नेताओं ने जीआईएफ प्रबंधन को चेतावनी दी थी कि एक सप्ताह में निलंबन समाप्त किया जाए।दूसरी ओर जीआईएफ की सभी यूनियन भी एक जुट होकर आंदोलन में आ गई थी।निलंबन समाप्त होने पर श्रमिक नेताओं पुष्पेन्द्र सिंह अर्नव दासगुप्ता राजा पांडे रोहित यादव नितिन चाकर नितेश सिंह शारदा यादव राजेश रजक भूपेंद्र दाहिया राकेश दुबे राजेश पटेल मुन्ना पटेल उत्तम विश्वास अरुणोदय आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे मजदूरों की जीत बताई है।

प्रमोद कुशवाहा के एकल चित्रों की द्वि दिवसीय प्रदर्शनी 28 से

जबलपुर ,यशभारत। कला,साहित्य, संस्कृति को समर्पित 'पाथेय संस्था' द्वारा प्रयोगधर्मी कलासाधक श्री प्रमोद कुशवाहा द्वारा निर्मित चित्रों की द्वि दिवसीय कला प्रदर्शनी का आयोजन 28 एवं 29 जुलाई को कला वीथिका में किया गया है 7 संयोजक राजेश पाठक प्रवीण ने बताया कि प्रदर्शनी डॉ. पूरणचंद श्रीवास्तव स्मृति बुन्देली दिवस को समर्पित है जिसका शुभारम्भ 28 जुलाई को अपरान्ह 4 बजे होगा। प्रदर्शनी में प्रमोद कुशवाहा द्वारा रंग थेरेपी पर आधारित प्रकृति और परमात्मा विषयक चित्रों को प्रदर्शित किया जायेगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन जगत बहादुर सिंह अन्नू के मुख्य आतिथ्य एवं आचार्य भगवत दुबे की अध्यक्षता में होगा ।

रमनगरा राइजिंग मेन लाइन में लीकेज ,सुधार कार्य तेजी से जारी

जबलपुर, यशभारत।। नगर निगम जल विभाग के कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि रमनगरा राइजिंग मेन लाइन में लीकेज हो जाने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था के तहत् नागरिकों को जलापूर्ति कराई जायेगी। लीकेज सुधार के लिए टीम तेजी से कार्य कर रही है। कार्यपालन यंत्री श्री श्रीवास्तव ने बताया कि बहुत जल्द ही लीकेज का कार्य पूर्ण कराकर सामान्य रूप से जलापूर्ति दोनों समय की जायेगी।

हुनर

कई पीढ़ियों से चली आ रही हुनरमंदी की प्रदेश में हो रही तारीफ

शहर में सैकड़ों साल से बना रहे नक्काशीदार ताजिये

जबलपुर,यशभारत। मातमी पर्व मुहर्रम पर रखे जाने वाले ताजिए निर्माण की परंपरा शहर में बरसों पुरानी है। पिछली पांच पीढ़ियों से ताजियों का निर्माण करने वाले चौबे ताजिया वाले शमीम और बाबा मोहम्मद कलीम शाह बड़ी मंडी मदार टेकरी इसका जीता जागता प्रमाण हैं। कड़ी मेहनत के बाद तैयार किए गए यहां के शानदार ताजिये की प्रसिद्धि न केवल जबलपुर बल्कि प्रदेश के बाहर भी है। नतीजा ये है कि पीढ़ियों से चली आ रही इस हुनरमंदी की सभी तारीफ कर रहे हैं। और तैयार होने के बाद यहां के ताजिये को देखने लोगों की भीड़ हर साल उमड़ पड़ती है। बाबा मोहम्मद कलीम शाह बड़ी मंडी मदार टेकरी के परिवार के द्वारा पिछले 600 सालों से और चांदनी चौक हनुमानताल में चौबे ताजिया वाले शमीम के परिवार के द्वारा पिछले 250 सालों से ताजिया निर्माण का कार्य किया जा रहा है जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड बना चुका है। दोनों जगहों में कई पीढ़ियों से ताजिया निर्माण करना एक परंपरा बन चुकी है। कलाकारों द्वारा बेहद कड़ी मेहनत के बाद ताजिए के झाड़, मेहराब, कंठा, खमियां, बेल, अंगूरी और जाली को तैयार कर आपस में जोड़ा जाता है और फिर इसे सजावट के लिए तैयार माना जाता है।

मो. शमीम और बाबा मो. कलीम शाह का पूरा परिवार जुटकर करता है निर्माण

कार्डबोर्ड, तांबा, स्टील पर की जा रही नक्काशी

बदलते जमाने के साथ ताजिया की कंप्यूटर के माध्यम से नक्काशी की डिजाइन तय की जाती है और उसके बाद कार्डबोर्ड, तांबा, पीतल,निकल और स्टील की पतली प्लेट पर नक्काशी का काम शुरू किया जाता है.. ताजिए के एक हिस्से में ही नक्काशी करने में सबसे ज्यादा वक्त लगता है इसके बाद अलग-अलग रंगों के कागज और प्लास्टिक की झालर से झांकियों का निर्माण किया जाता है. खास बात यह है कि नक्काशी, जरदारी और फ्रेमिंग का पूरा काम हाथ से ही किया जाता है। मुहर्रम के 7 माह पहले जुटते हैं तैयारियों में

बाबा मोहम्मद कलीम शाह, मंडी मदार टेकरी ने बताया कि

इमाम अली का उर्स है। हम सभी शहीदाने कर्बला का उर्स मनाते आ रहे हैं। ताजिया बनाने का काम हमारी पीढ़ियों से चला आ रहा है। करीब 600 सालों से ये काम हम कर रहे हैं। हम लोग पहले घर के ताजिया बनाते हैं और फिर बाहर के। मुहर्रम के करीब 7 माह पहले ताजिया बनाने में मेरे पूरे परिवार के सदस्य जुट जाते हैं। ताजिया निर्माण में करीब 70 हजार रुपए की लागत लग जाती है। इनके द्वारा बनाए जाने वाले ताजिया को लेने कटनी, सिहोरा, दमोह से भी लोग आते हैं। शहर का मुख्य ताजिया मंडी मदार टेकरी में हम लोग बनाते हैं जिसे हजरत बहादुर अली शाह मस्जिद सुलेमानी में रखा जाता है। बाबा मोहम्मद कलीम शाह के अनुसार मुहर्रम की 9 तारीख को अधिकतर ताजिए बैठाए जाते हैं और फिर दसवीं तारीख को कोतवाली होते हुए ताजिया जुलूस निकलता है।

मुहर्रम की सात तारीख सफर की रात आज

मदन महल दरगाह में आज पेश करेंगी सवारियां सलामी

जबलपुर यशभारत। शहादत के पर्व मुहर्रम की बुधवार को सात तारीख सफर की रात है। इस मौके पर नगर एवं उपनगरीय क्षेत्रों की सवारियां मदन महल दरगाह में हाजरी पेश करेंगी। मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी सदारत मे आयोजित सलामी समारोह मे सज्जादानशीन मुबारक कादरी, निज़ाम कादरी, अब्बू बाबा कादरी, अंसार कादरी, सलामत अली, इनायत कादरी, जवाहर कादरी द्वारा सवारियों एवं मुजावरो का परंपरानुसार इस्तकबाल किया जाएगा। दरगाह परिषर मे अनेकों कमेटी द्वारा जयरिनो के लिए लंगर का एहतेमाम किया गया है। शानदार सजावट- मुहर्रम की सात पर गढ़ा के जुलूस पथ पर नूरानी नौजवान कमेटी, शान लंगर कमेटी, अमन एकता कमेटी, हुसैनी एकता कमेटी, हैदरे लंगर कमेटी, अमर एकता कमेटी, कर्बला लंगर कमेटी, गौसे आज़म लंगर कमेटी द्वारा शानदार सजावट की गई है। हैदरे लंगर कमेटी द्वारा हर साल की तरह इस साल भी 31 देग शाकाहारी पुलाव का एहतेमाम हिंदू मुस्लिम धर्मावलंबियों के लिए किया गया है।बज्मे मोहम्मदी कमेटी के द्वारा भी छोटी लाइन फाटक मे लंगर ए आम एहतेमाम रात्रि 10.30 से किया गया हैआकर्षक झांकी- खानकाहे कादरिया हुसैनिया के हाफिज फजल हुसैन कादरी के तत्वधान मे कर्बला की झांकी सजाई गई है, हुसैनी एकता कमेटी एवं मुजावर मुहल्ले मे भी कर्बला की झांकी सजाई गई हैशिया समुदाय का मातमी जुलूस आज- मुहर्रम की सात तारीख बुधवार को दोपहर 2 बजे घंटाघर स्थित बाबा जाफ़री के इमामबाड़े मे मजलिस होगी। मौलाना शफी हैदर लखनऊ खिताब फरमायेंगे। खिताब के बाद अलम जुलूस निकलेगा जिसमे शिया मुस्लिम नवयुवक जंजीरो से मातम करेंगे, घंटाघर, बड़ी ओमती, गलगला चौक होते हुए शिया इमामबाड़े मे मातमी जुलूस का समापन होगा शिया प्रमुख ज़ैदी बाबा ने तमाम हुसैनियो से उपस्थिति की अपील की है

जन्माष्टमी को लेकर यादव महासभा की बैठक

जबलपुर, यशभारत। अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की एक आवश्यक बैठक इंडियन कॉफी हाउस घंटाघर में आयोजित की गई। जिसमें जन्माष्टमी के आयोजन को लेकर रूपरेखा तैयार की गई और सभी सामाजिकबंधुओं व पदाधिकारियों से आयोजन को भव्य स्वरूप देने के संदर्भ में आवश्यक सुझाव प्राप्त कर आयोजन की रणनीति तैयार की गई। बैठक के दौरान समाज के पदाधिकारियों ने श्रीराम चरितमानस रामायण पुस्तक का समाज के वरिष्ठजनों को भेंटकर एक नई पहल शुरू की है। इस दौरान करीब 200 श्रीराम

चरितमानस की पुस्तक भेंट की गई। इस मौके पर बताया गया कि समाज के पदाधिकारियों ने लगभग 1000 रामचरित मानस रामायण पुस्तक वितरण करने का का लक्ष्य बनाया गया है। इस दौरान विजय यादव, संभाग अध्यक्ष रामकुमार यादव बड्डा, जिलाध्यक्ष मनोज यादव, शहर अध्यक्ष गुलाब यादव, ग्रामीण अध्यक्ष रश्मि यादव, ग्रामीण अध्यक्ष महिला कंचन यादव, शहर अध्यक्ष महिला राकेश यादव ग्रामीण युवा अध्यक्ष सचिन यादव, शहर अध्यक्ष राजेश यादव, नरेश यादव, प्रदेश महासचिव संजय यादव बसंता, प्रदेश महासचिव गुलाब यादव, दीपचंद यादव, महादेव पहलवान, मनोज यादव, पप्पू राकेश यादव, शक्ति राज यादव, जनपद सदस्य रामकृष्ण यादव, जनपद सदस्य दीपक यादव, धर्मेंद्र यादव, एस आर यादव, अर्पित यादव, शिव कुमार यादव एवं सनातन धर्म के पदाधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

जेओसी ने अग्निवीर भर्ती शिविर का निरीक्षण किया

निर्देशक कर्नल शर्मा ने रैली संचालन की जानकारी दी

जबलपुर यशभारत। विगत 21 जुलाई की रात से रादुविवि मे जारी अग्निवीर भर्ती शिविर का निरीक्षण करने जेओसी लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास पहुंचे जहां क्षेत्रीय भर्ती कार्यालय के निर्देशक कर्नल शर्मा ने प्रत्येक शिविर में साथ जाकर भर्ती प्रक्रिया की जानकारी से अवगत कराया।इस मौके पर जेओसी ने भर्ती प्रक्रिया पर संतोष जताते हुए अन्य आवश्यक निर्देश दिये। भर्ती कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि लेफ्टिनेंट जनरल एम के दास ने जीसी मध्य भारत एरिया में 25 जुलाई 2023 को जबलपुर में चल रही अग्निवीर पुरुष (सभी श्रेणी) रैली का दौरा किया। सेना भर्ती कार्यालय जबलपुर के निर्देशक शर्माद्वारा जीओसी को रैली के संचालन के तौर तरीकों के बारे में जानकारी दी गई ।कमांडिंग आफीसर ने शिविर में किये गए उचित प्रबंधन की प्रशंसा की।उन्होंने फिटनेस एवं शारीरिक मापदंडों और मेडिकल परीक्षण के उम्मीदवारों का भी निरीक्षण करते हुए सत्र में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को संबोधित किया। जीओसी ने इस भर्ती रैली के आयोजन की निष्पक्षता और पारदर्शिता की सराहना की।जीओसी मध्य भारत एरिया ने रैली के संचालन में मदद करने के लिए राज्य के अतिरिक्त (नागरिक प्रशासन) गृह सचिव, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक जबलपुर के साथ रानी दुर्गादेवी विश्वविद्यालयास क जिला प्रशासन द्वारा सहू प्रदान करने के लिए आभार जताया।

जे एनकेविवि के केंद्रीय कर्मचारी संघ की काम बंद हड़ताल

जबलपुर यशभारत। 2 दिनों से जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के केंद्रीय कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन में डटे हैं। मंगलवार को भी सैकड़ों की संख्या में कर्मचारी नेता, पदाधिकारी और कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया था। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने प्रशासन के खिलाफ अपना प्रदर्शन उग्र करने की तैयारी पूरी करनी है। गुरुवार से विश्वविद्यालय और कृषि महाविद्यालय में काम बंद हड़ताल शुरू होने जा रही है।

पूर्णकालिक डीईओ की पदस्थापना की जाए

जबलपुर, यशभारत। म.प्र. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव शिक्षा विभाग के नाम का ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज को सौंपकर मांग की है कि जबलपुर जिले में पूर्णकालिक जिला शिक्षा अधिकारी की पदस्थापना की जाये, क्योंकि वर्तमान में पदस्थ प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी के द्वारा शासन की छवि को लगातार धूमिल किया जा रहा है। प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी के विरूद्ध न्यायालय जबलपुर द्वारा जवाबदावा प्रस्तुत न होने के कारण 5 हजार रू. का अर्थदण्ड रोपित किया गया है। इनकी लापरवाही और उदासीनता के कारण प्रमुख सचिव शिक्षा विभाग को भी 5 हजार रू. का अर्थदण्ड रोपित किया गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर के बच्चों को नेताप्रतिपक्ष ने किया पुरस्कृत

जबलपुर, यशभारत। राम मनोहर लोहिया वार्ड के अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर त्रिमूर्ति नगर आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि नेता प्रतिपक्ष नगर निगम कमलेश अग्रवाल ने बच्चों को पुरस्कृत किया । उन्होंने कहा कि बच्चों के बीच खुद को पाकर मन बड़ा प्रसन्न हुआ । उन्होंने विद्यालय की सुविधाओं में जो भी कमी है उनको जल्द से जल्द सुदृढ़ करने के लिए प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों से चर्चा की । इस मौके पर युवा भाजपा नेता राहुल जैन भी मौजूद रहे।

हर-हर महादेव के जयघोष के बीच निकली कांवड़ यात्रा

भगवान गैबिनाथ जी का पूजन व जलाभिषेक

जबलपुर, यशभारत। श्री गैबिनाथ मंदिर सेवा समिति पुरवा व श्री बद्रीनाथ मंदिर सेवा समिति पुरवा के संयुक्त तत्वावधान में सदस्यों, श्रद्धालुओं के द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली गई। तिलवारा घाट सुबह माँ नर्मदा का पूजन अर्चन के बाद कावड़ियों ने जल लेकर पैदल व नंगे पाँव रवाना हुए। यात्रा में छोटे-छोटे बच्चे व बच्चियों सैकड़ों महिलाओं सहित सभी भक्त जन सगड़ा, मेडिकल कालेज, पिसनहारी मढ़िया, ब्राम्हण मोहल्ला पुरवा बस्ती का भ्रमण करते हुए श्री गैबिनाथ मंदिर पहुंचे। जहां सभी ने बड़ी ही श्रद्धा व भक्ति के साथ भगवान गैबिनाथ जी का पूजन व जलाभिषेक किया। भक्तों ने श्री बद्री धाम शिखर पहुंच कर भगवान केदारेश्वर पर जलाभिषेक किया। कावड़ यात्रा में समिति सदस्य अभय शंकर प्यासी , डा.बी-पी अवस्थी, अजय अवस्थी, हृदय पाठक, प्रदीप पटेल, तरूण अवस्थी व सभी युवा सहयोगी सदस्यों के साथ डा.अभिलाष पान्डेय, राममूर्ति मिश्रा,मनीष कुरिया व कमलेश यादव सहित बद्रीनाथ मंदिर कांवड यात्रा समिति के सभी भक्तजन सदस्य उपस्थित रहे।

महाशिवपुराण कथा के समापन पर हवन भंडारा

जबलपुर, यशभारत। अग्रवाल सभा इस वर्ष अपना स्वर्ण जयंती महोत्सव वर्ष मना रहा है धार्मिक आयोजनों की प्रथम कड़ी में अग्रसेन कल्याण मंडपम में महाशिवपुराण कथा के समापन पर आचार्य आशीष अग्निहोत्री ने शिवपूजन की विस्तृत विधि बतलाते हुये प्रत्येक वस्तु की शिवपूजन में महता का उल्लेख किया। आचार्य आशीष अग्निहोत्री ने कहा कि सिर्फ महादेव ही हैं जो दक्षिण मुखी स्थल पर विराजमान है। भगवान शिव की महिमा अपरंपार है। व्यास गद्दी पूजन अनूप अग्रवाल ने किया। अंकित अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार को प्रातः 8 से 12 बजे तक पूजन हवन के उपरांत भंडारा प्रसाद वितरित किया गया। । इस दौरान यतीश अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, अनीता अग्रवाल आदि की ओर से मुरैना से आए अभा अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष सतीश अग्रवाल को सम्मानित किया गया।

आयोजन

फैंसी ड्रेस, नृत्य और नाटक का मंचन

देशभक्ति की भावना को जागृत करने गूंज राष्ट्रीय ब्राम्हण सभा का आयोजन

जबलपुर, यशभारत। अपनी भारत माता कि आन-बान और शान के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान कर देने वाले महान क्रांतिवीर चन्द्रशेखर आजाद के अवतरण दिवस पर गूंज राष्ट्रीय ब्राम्हण सभा ने रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया।

बच्चों में देशभक्ति की भावना को जागृत करने हेतु क्रांतिकारियों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर फैंसी ड्रेस, नृत्य और नाटक का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 250 बच्चों ने भाग लिया। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता श्रेया खण्डेलवाल ने भारत माता की विशिष्ट वेशभूषा में मंच पर पूरे समय अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। माधुरी उमेश मिश्रा, पं.मनीष दुबे और राजेश पाठक च्रवीणज्ने मंच संचालन करते हुए बच्चों को हमारे महापुरुषों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराया। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व कैबिनेट मंत्री लखन घनघोरिया, तरुण भनोत, रजनी कैलाश साहू आदि अतिथियों ने बाल कलाकारों तथा विशिष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित किया। नगर के शीर्ष कलाकारों ने अपने देशभक्ति गीतों से सबको देशप्रेम के रंगों से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर संत पगलानंद जी,दिव्या वाजपेई, मनीष अग्रवाल, मनोज शर्मा, अर्चना गोस्वामी, डॉ. पूनम शर्मा, अंकिता गिनारा, मोहित मिश्रा, अरविंद तिवारी, डॉ. कृष्ण त्रिपाठी, शेखर तिलवानी, मदन सिंह ठाकुर, नीरज शुक्ला राजेश अग्रवाल, अरविंद विश्वकर्मा, डॉ. दुर्गेश व्योहार, एड. कमल सिंह बघेल, मीना त्रिपाठी, आचार्य शंकर दुबे, सुरेश दर्पण, रत्नेश मिश्र, प्रशन उपाध्याय आदि गणमान्यजन एवं गायक उपस्थित थे।

» न्यूज गैलरी

आरपीएफ नन्हे फरिश्ते के अंतर्गत कर रही सराहनीय कार्य

जबलपुर यशभारत। रेलवे सुरक्षा बल जरूरतमंद यात्रियों को सहायता प्रदान करने के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों का विशेष ध्यान रखते हैं। इसी श्रृंखला में रेल सुरक्षा बल ने ऑपरेशन डिग्निटी एवं नन्हे रिश्ते अभियान के तहत घर से भागे हुए, अपहृत हुए, बिछुड़े हुए बालक एवं बालिकाओं को सुरक्षित उनके परिजनों/चाइल्ड लाइन को सुपुर्द किया। इसी प्रकार ऑपरेशन यात्री सुरक्षा के अंतर्गत भी आर.पी.एफ. द्वारा सराहनीय कार्य किया गया। जबलपुर मंडल के पिपरिया पोस्ट के अंतर्गत एक महिला ने रेसुब आउट पोस्ट नरसिंहपुर में उपस्थित होकर सूचना दी कि वह अपने परिवार के साथ गाड़ी संख्या 15018 के एस/04 कोच में मउ से कल्याण की यात्रा कर रही थी। उक्त महिला का पुत्र राकेश, उम्र 20 साल जो दिमागी रूप से विक्षिप्त है नरसिंहपुर करेली के मध्य उतर गया है। ऑन ड्यूटी रेसुब स्टाफ द्वारा उक्त महिला से उसके पुत्र की फोटो लेकर आस-पास खोजबीन की गयी। इसके उपरांत जीआरपी द्वारा गाडी क्रमांक 12061 से उक्त व्यक्ति को रेसुब आउट पोस्ट नरसिंहपुर लाया गया। जिसकी पहचान उक्त व्यक्ति की माँ सविता के द्वारा की गयी। जिसे दो गवाहो के समक्ष सही सलामत सुपुर्द किया गया।रेल सुरक्षा बल के सदस्यों द्वारा किया गया कार्य सराहनीय है। रेल सुरक्षा बल द्वारा शुरू किये गए इन कार्यों को जनता से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिल रही है।

आई आर सी टी सी सर्वर के रुकते ही रेलवे ने खोले अतिरिक्त काउंटर और हेल्प डेस्क

जबलपुर यशभारत। इन्डियन रेलवे केटरिंग एवं टूरिजम कार्पोरेशन (आईआरसीटीसी) के सर्वर में गत दोपहर कुछ समय के लिए आये तकनीकी व्यवधान पर जबलपुर मंडल के वाणिज्य विभाग ने तुरंत ही आरक्षण केन्द्रों में अतिरिक्त काउंटर खोलकर यात्रियों को आरक्षित टिकिट बनाने एवं टिकिट रद्दीकरण की सुविधा प्रदान की आन लाइन रेल टिकटिंग सेवाओं में हुए व्यवधान को देखते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक विश्व रंजन ने यात्रियों की सुविधा को त्वरित संज्ञान में लेकर मंडल के जबलपुर, मदन महल, कटनी, मुडवारा, सतना आदि स्टेशनों पर अतिरिक्त पीआरएस टिकट काउंटर और हेल्प डेस्क खोलने के निर्देश दिए। अतिरिक्त काउंटरो से व्यवधान की अवधि में आरक्षण एवं रिफंड का कार्य सुचारू रूप से चलता रहा जिससे यात्रियों को आरक्षण कराने अथवा रिफंड लेने में कोई असुविधा नहीं हुई।

दिव्यांगो के रियायत प्रमाण पत्र बनाने रेलवे द्वारा शिविर आज से

जबलपुर यशभारत। दिव्यांगो की सुविधा के लिए जबलपुर रेल मंडल द्वारा अब शिविर के माध्यम से उन्हें रेल यात्रा हेतु रियायत प्रमाण पत्र बनाकर देने की कार्यवाही प्रारंभ की जा रही है. इस शिविर में दिव्यांग या उनके प्रतिनिधि आवश्यक प्रमाण पत्र देकर इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते है इस सम्बन्ध में सीनियर डीसीएम विश्व रंजन ने बताया कि दिव्यांगो को अपने विकलांग प्रमाण पत्र के आधार पर रेल रियायत का रेल कार्ड बनाने की प्रक्रिया के लिए मंडल कार्यालय से संपर्क करना पड़ता था जिससे उन्हें आने जाने में कठनाई होती थी. इस सम्बन्ध में जन प्रतिनिधियों के सुझाव पर मंडल रेल प्रशासन ने अब शिविर लगाने की योजना बनायीं है. इस योजना के तहत प्रथम एक दिवसीय दिव्यांगजन सहायता शिविर आज 26 जुलाई को सुबह 10 बजे से शाम 17 बजे तक कटनी स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 01 पर आयोजित किया गया है. इसके उपरांत कल 27 जुलाई को सतना में तथा 28 जुलाई को रीवा स्टेशन पर ये शिविर आयोजित किये जायेंगे. इस शिविर में दिव्यांगो को अपनी दिव्यांगता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, जन्म तिथि का प्रमाण पत्र तथा रेल रियायत का चिकित्सा प्रमाण पत्र एवं दो पास पोर्ट फोटो शिविर में प्रस्तुत करना होगी।

स्पीड ब्रेकर बन गए कमर का दर्द

शहर के कई स्थानों के स्पीड ब्रेकरों में संकेतक नहीं

जबलपुर यशभारत। सड़कों पर बनाए गए मनमाने स्पीड ब्रेकर लोगों के अस्थि-पंजर हिला रहे हैं। स्पीड ब्रेकर के झटके लोगों को कमर दर्द, सर्वाइकल की बीमारी दे रहे हैं। स्पीड ब्रेकर के संकेतक नहीं होने के कारण वाहन चालकों को समझ भी नहीं आ रहे हैं। तेज रफ्तार वाहन जब ऊपर से होकर गुजरता है तो उछल जाने के कारण दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। आर्टिफीशियल लाइन और वाइट लाइन नहीं होने के कारण रात में ये ब्रेकर सबसे ज्यादा खतरनाक हैं।

डिजाइन में होना चाहिए स्लोप

स्पीड ब्रेकर के डिजाइन में स्लोप हों तो वाहन उन पर चढने के बाद उछलते नहीं हैं। जानकारों के अनुसार स्पीड ब्रेकर पर पहुंचने के 50 गज पहले बोर्ड या फिर वाइट लाइन मार्ग के दोनों ओर लगाना चाहिए।

स्पीड लिमिट के बोर्ड नहीं

शहरभर में स्पीड लिमिट के बोर्ड लगना चाहिए। वाहनों की गति धीमी करना है तो आर्टिफिशियल लाइन डाली जा सकती है। वहां बोर्ड के माध्यम से एक्सीडेंट प्रोन एरिया की जानकारी देनी चाहिए।

ऐसे होने चाहिए स्पीड ब्रेकर

3.7 मीटर लंबाई के स्पीड ब्रेकर का बीच का हिस्सा 10 सेंटीमीटर ऊंचा होना चाहिए। 25 किमी प्रतिघंटा से चलने वाले ट्रैफिक में 2 तरह के स्पीड ब्रेकर होना चाहिए। राउंडेड टाइप स्पीड ब्रेकर सामान्य ट्रैफिक के लिए होते हैं। इसमें वाहनों की स्पीड 25 किमी प्रतिघंटा होती है। वहीं हंप टाइप स्पीड ब्रेकर भारी वाहन, ट्रक, बस के लिए होते हैं। इसकी भी ट्रैफिक स्पीड 25 किमी प्रतिघंटा होती है।

भेड़ाघाट में मेट्रो चालक परिचालकों के साथ मारपीट हड़ताल कर ऑटो चालकों पर कार्रवाई की मांग

जबलपुर, यशभारत। भेड़ाघाट के सरस्वती घाट में शाम को मेट्रो चालकों और परिचालकों के साथ हुई मारपीट के बाद हुए बवाल के चलते पीड़ितों ने थाने में शिकायत दर्ज कर, आज हड़ताल पर चले गए। मेट्रो चालक और परिचालकों की मांग है कि ऑटो चालकों के पास धुंआधार और भेड़ाघाट का कोई परमिट नहीं है, लेकिन उसके बाद भी वह मेट्रो स्टेंड में रुककर सवारिया ढो रहे है और विरोध करने पर जान से मारने की धमकियां देते है।

जानकारी अनुसार पीड़ित नमशिवाय विश्वकर्मा ने बताया कि शाम को वह और दूसरा मेट्रो चालक रोड में बात कर रहे थे, तभी उनका विरोध हुआ। जिसके बाद वह बस लेकर गंतव्य की ओर रवाना हो गए। लेकिन जैसे ही वह सरस्वती घाट पहुंचे वहां करीब दो दर्जन युवकों ने उन्हें घेर लिया और जमकर मारपीट की। सभी ऑटो चालक थे और थाने में शिकायत करने की बात को लेकर जान से मारने की धमकियां भी दे रहे थे। हड़ताल कर रहे मेट्रो चालक और परिचालकों का कहना है कि तत्काल ऑटो चालकों पर कार्रवाई की जाए।

जिला पंचायत की सीईओ ने ली शिक्षा विभाग की बैठक

जबलपुरय यशभारत। कलेक्ट्रेट सभागृह में मंगलवार को आयोजित शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती जयति सिंह ने समस्त बीआरसी, बीएसी, जनशिक्षकों को निर्देशित किया कि अधीनस्थ समस्त शासकीय अशासकीय विद्यालयों से शाला में दर्ज समस्त विद्यार्थियों की मैपिंग अनिवार्य रूप से पूर्ण कराये। समय सीमा में मैपिंग न करने वाले विद्यालयों पर कार्यवाही की जाएगी। जिला पंचायत सीईओ ने बैठक में कहा कि समस्त शासकीय विद्यालय में अध्ययन बच्चों को सभी पुस्तकें प्राप्त हो जाएं एवं उनकी अनिवार्य रूप से ऑनलाइन प्रविष्टि कर दी जाये। साथ ही प्रति दिवस एमडीएम मध्यान्ह भोजन की उपस्थिति ऑनलाइन अनिवार्य रूप से दर्ज की जाए। ऑनलाइन प्रविष्टि न करने वाले शिक्षकों पर कार्यवाही की जाएगी। मध्यान्ह भोजन हेतु खाद्यान्न का उठाव समय सीमा पर पूर्ण हो। राष्ट्रीय मींस कम मेरिट छात्रवृत्ति की तैयारी कक्षा आठवीं में दर्ज समस्त छात्रों कराई जाए एवं उनका सत्यापन तत्काल पूर्ण किया जाए। उन्होसनें कहा कि राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित होने वाली ओलंपियाड परीक्षा में लक्ष्य अनुसार छात्रों का पंजीयन किया जाए एवं उनकी तैयारी कराई जाए। कोई भी छात्र शालात्यागी, अप्रवेशी न रहे।बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी,जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा,प्रोग्रामर पारुल राय,एपीसी प्रेम नारायण तिवारी, घनश्याम बर्मन,मोनिका लकड़ा, छाया राज,अजय रजक सहित समस्त बीआरसी, बीएसी, एमआईएस, जनशिक्षक उपस्थित थे।

एक सप्ताह के भीतर पूरा करें छात्रों की मैपिंग का कार्य : जयति सिंह

विजय नगर पुलिस ने मर्ग जांच की शुरू

कौशल्या एक्जोटिका कॉलोनी के मंदिर की रैलिंग में फैले करंट से नाबालिग की मौत

जबलपुर,यशभारत। के मतानी ग्रुप की विजय नगर स्थित कौशल्या एक्जोटिका कॉलोनी में मंदिर के पास फैले करंट ने 13 साल के मासूम बच्चे की जान ले ली है। बच्चे की मौत के बाद उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने लाश को पंचनामा कार्यवाही के बाद पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया और मर्ग जांच शुरू की। पुलिस का कहना है कि मर्ग जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके बाद आगे की कार्यवाही की जाएगी।

क्षेत्रीय लोगों में दहशत व्याप्त, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

करंट से हुई नाबालिग की मौत के बाद कौशल्या एक्जोटिका कॉलोनी के रहवासियों में दहशत व्याप्त हो गई है। स्थानीय लोग अब अपने बच्चों को कॉलोनी में खेलने जाने नहीं दे रहे हैं क्योंकि करंट कब कहां किसे लग जाए यह कोई नहीं बता सकता। विजय नगर टीआई संदीपिका ठाकुर ने बताया कि विजय नगर में कौशल्या एक्जोटिका कॉलोनी है। जहां रहने वाले आशीष पटैल के 13 वर्षीय नाबालिग बेटे रिषित पटैल की करंट लगने से मौत हो गई है। बीती देर शाम रिषित कॉलोनी के अंदर खेल रहा था इसी दौरान वह खेलते-खेलते मंदिर की रैलिंग के पास पहुंचा, जहां रैलिंग को छूते ही उसे करंट लग गया और फिर उसकी मौके पर मौत हो गई। सीएसपी तुषार सिंह ने बताया कि पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

नेहा दिघे अध्यक्ष, ममता चौबे सचिव निर्वाचित

हम फाउन्डेशन जबलपुर नवशक्ति शाखा गठित

जबलपुर, यशभारत। राष्ट्रीय सेवा व सांस्कृतिक संगठन हम फ उन्डेशन भारत महाकौशल प्रान्त के जबलपुर महानगर की 17 वीं शाखा के रूप में महिला शाखा नवशक्ति का गठन हुआ तथा शाखा सत्र 2023-24 हेतु कार्यकारिणी गठित की गई। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष एड. निशिकान्त चौधरी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में विशेष अतिथि प्रदेश पदाधिकारी इंजी. प्रभात दुबे, प्रान्तीय संयोजक महिला सहभागिता मुनमुन भट्टाचार्य, जिला अध्यक्ष सीपी राजपूत तथा जिला महामंत्री एवं शाखा संयोजक लीलावती पाल की उपस्थिति में आयोजित बैठक में नेहा दिघे अध्यक्ष, ममता चौबे सचिव एवं साधना अग्रवाल कोषाध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि स्वागत पश्चात समस्त सदस्यों को राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा सदस्यता संकल्प दिया गया। विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित शपथ अधिकारी मुनमुन भट्टाचार्य ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दायित्व ग्रहण कराया। अन्य कार्यकारिणी में शाखा संरक्षक लीलावती पाल, श्यामा जायसवाल, माया ब्यौहार तथा रंजना साहू, उपाध्यक्ष सुनीता बुंदेला, निशा दिघे सेवा कार्य प्रमुख नूतन सिंगरौल संस्कार सेवा कार्य प्रमुख विभा जायसवाल, जोनल चैयरमेन न्यायमूर्ति एच पी सिंह, प्रदेश अध्यक्ष पूर्व आयुक्त मध्यप्रदेश शासन आई ए एस के पी राही, प्रदेश महामंत्री दिनेश शुक्ला, प्रदेश समन्वयक खेमराज तितरे, प्रान्त अध्यक्ष प्रमेश शर्मा, महासचिव यूनुस खान सहित जिले की समस्त शाखा सदस्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

उच्च पद प्रभार सूची में सभी सहायक शिक्षकों को शामिल किया जाए

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन ने बताया कि संगठन ने आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय को पत्र लिख कर उच्च श्रेणी शिक्षकों को व्याख्याता के उच्च पद प्रभार की सूची जारी करने के लिए साधुवाद देते हुए, प्रदेश के सहायक शिक्षकों की उच्च पद प्रभार वाली सूची भी अतिशीघ्र जारी करवाने हेतु पत्राचार किया। प्रांताध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने बताया कि देखा जा रहा है कि अभी तक सहायक शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची में जो त्रुटियां है उनका सुधार कार्य भी पूरा नहीं हुआ है।

केंट विधानसभा के नागरिकों को जल्द मिलेंगे भू-अधिकार पत्र

जबलपुर, यशभारत। केंट विधानसभा के अंतर्गत शारदा नगर, शांति नगर, राम नगर, उदय नगर, बापूनगर, आमानाला, भगत सिंह वार्ड, सुदर्शन वार्ड, लाला लाजपत राय वार्ड, रानी लक्ष्मी बाई वार्ड, रानी अवंतीबाई वार्ड, गोकलपुर, अधारताल एवं कंचनपुर सहित रांझी बाजार के ऐसे सभी पात्र नागरिकों को धारणाधिकार योजना के तहत जल्द ही भू-अधिकार पत्रों का वितरण किया जायेगा जिन्होंने भू-भाटक की राशि जमा कर दी है। यह निर्णय विधायक अशोक रोहाणी की अध्यक्षता में केंट विधानसभा के प्रतिनिधि मंडल की कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन के साथ सम्पन्न हुई बैठक में लिया गया। बैठक में बताया गया कि धारणाधिकार योजना के तहत शेष सभी पात्र आवेदकों भी भू-भाटक की राशि जमा कर देते हैं तो उन्हें भी काबिज भूमि के भू-अधिकार पत्र शीघ्र उपलब्ध करा दिये जाएंगे। आंगनबाड़ी भवन, सामुदायिक भवन तथा अन्य सभी स्वीकृत नवीन विकास कार्यों पर भी विस्तार से चर्चा भी इस बैठक में की गई। तय किया गया कि इन निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ किया जायेगा। बैठक में पार्षद दामोदर सोनी, श्री सुंदर अग्रवाल, श्याम कनोजिया, बाबा श्रीवास्तव, निशांत झरिया, संतोषी ठाकुर, अनुराग दहिया सावित्री शाह, कृष्णदास चौधरी, आशीष राव, गुड्डु केवट, संजय ठाकुर आदि मौजूद थे।

उत्तर संभाग अंधेरे में डूबा

न्यू रामनगर में मेन लाइन टूटी परेशान होते रहे उपभोक्ता

जबलपुर, यशभारत। शहर के उत्तर संभाग में देर रात अचानक विद्युत सप्लाई ठप्प हो गयी। जिसके चलते घंटों बिजली सप्लाई ठप्प रही। दरअसल न्यू रामनगर में विद्युत सप्लाई की मेन लाइन टूट जाने के कारण बिजली गोल हो गयी। जिसके बाद उपभोक्ता बिजली अधिकारियों को फोन लगाते रहे, लेकिन घंटों बाद अमला पहुंचा और तब कहीं जाकर बिजली सप्लाई शुरु हो सकी। इस दौरान चिपचिपाती गर्मी में लोग हलाकान होते रहे। जानकारी अनुसार कार्यपालन अभियंता कुलदीप पटैल ने बताया कि न्यू रामनगर में केबिल टूटने की वजह से लाइन गोल हो गई थी। जिसे सुधार लिया गया। इस दौरान अधारताल सहित आसपास लाइन गोल रही।

नहीं किया मेंटेनेंस

उपभोक्ताओं की मानें तो एमपीईबी ने समय रहते लाइन मेंटेनेंस नहीं किया। जिसके कारण आए दिन केबिल टूटने की वजह से लाइन गोल हो जाती है। अनेक क्षेत्रों की केबिल जर्जर हो चुकी है तो वहीं, ट्रांसफार्मर भी पुराने ढर्रे पर चल रहे है। जिनसे चिंगारियां भी निकलती है।

जनसुनवाई - चाय की चुस्की और बिस्कुट के स्वाद के साथ नागरिकों ने रखीं समास्याएं

अधिकारियों ने तत्काल निराकरण के दिए निर्देश

जबलपुर, यशभारत। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में आम नागरिकों से 185 आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जयति सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह, शेर सिंह मीणा व श्रीमती विमलेश सिंह ने नागरिकों से उनकी कठिनाईयाँ जानी तथा उनसे प्राप्त आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। जनसुनवाई में आये आवेदनों में मुख्य रूप से बीपीएल कार्ड, भरण-पोषण, पेंशन, मृत्यु प्रमाण पत्र, लड़ाई झगड़ा, स्वरोजगार योजना अंतर्गत ऋण देने, वेतन भुगतान करने, कक्षा 11वीं में प्रवेश दिलाने, निशक्त बालिका हॉस्टल शिफ्ट करने, आर्थिक सहायता, सीमांकन, नामांतरण, बंटवारा, अवैध कब्जा व सहारा से राशि वापस दिलाने आदि से संबंधित प्रकरण शामिल थे। जनसुनवाई में लक्ष्मी बाई बर्मन ने बताया कि उनके पड़ोसी द्वारा उनके मकान निर्माण में अवरोध उत्पन्न करते हैं, उन्होंने कहा कि उनके पुत्र वर्तमान घर में जगह न होने के कारण किराये के मकान में रहते हैं, अतः निवासरत जगह का पट्टा प्रदान करें।

स्वेच्छा अनुदान से 50 हजार की मिली सहायता

सदर इन्द्रानगर निवासी श्री पप्पू ने इलाज के लिये आर्थिक सहायता की मांग करने पर जनसुनवाई के दौरान उन्हें बताया गया कि उनके इलाज के लिये 50 हजार सहायता स्वेच्छा अनुदान से स्वीकृत किया जा चुका है।

कार्यक्रम

संस्कारधानी के साहित्यकार राजसागरी एवं दविंदर सिंह भोपाल में हुए सम्मानित

साहित्य अकादमी पुरस्कार का गरिमामय आयोजन

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश संस्कृति विभाग भोपाल के द्वारा पुरस्कार योजना अंतर्गत संस्कार धानी जबलपुर के दो साहित्यकारों हिन्दी उर्दू बुंदेली के साहित्यकार श्री राजसागरी को उनकी साहित्य साधना के लिए विख्यात गज़लकार दुष्यंत कुमार स्मृति पुरस्कार वर्ष 2020 से सम्मानित किया जाएगा,एवं नाट्य लोक संस्था के अध्यक्ष एवं नाट्य निर्देशक दविंदर सिंह ग्रोवर को नाट्य क्षेत्र में दिए गए योगदान हेतु वर्ष 2018 एकांकी विधा के अन्तर्गत सेठ गोविंददास एकांकी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम का आयोजन रविन्द्र भवन अंजनि सभागार भोपाल में सुश्री उषा ठाकुर मंत्री धर्म संस्कृति, पर्यटन विभाग, श्री शिव शेखर शुक्ला, प्रमुख सचिव धर्म संस्कृति विभाग भोपाल, श्री अदिती कुमार त्रिपाठी, संचालक, संस्कृति विभाग भोपाल श्री विकास दवे निदेशक साहित्य अकादमी भोपाल, श्री राकेश सिंह भोपाल की गरिमामय उपस्थिति में शाम 4 बजे गरिमामय आयोजन में सम्मानित किया गया।संस्कारधानी को मिली उक्त उपलब्धि पर नगर के साहित्य जगत से श्री शरद चंद्र पालन श्री अभिमन्यु जैन डॉ अभिजात त्रिपाठी, सुरेश मिश्र विचित्र, यूएस दुबे, डॉ उदयभानू तिवारी, डॉ कौशल दुबे, डॉ शक्ति सिंह मंडलोई, डॉ गंगाधर त्रिपाठी,प्रभात दुबे डॉ आनंद सिंह राणा, अखिलेश त्रिपाठी, श्री संजय गर्ग,विनय शर्मा, रविन्द्र मुरार, मुस्कान सोनी, मानशी सोनी आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर जबलपुर (म.प्र.)

// द्वितीय निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली मे पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptender.gov.in पर देखे जा सकती है।

क्रं.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्या का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	नियुक्ति प्रापत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	25/07/2023 PRO-244	सं क्रं. 07 निर्मलचंद जैन वार्ड अंतर्गत शारदा कालोनी, बिहारी मोहल्ला न्यू कंचनपुर, जबलपुर पब्लिक स्कूल एवं चौकसे होटल न्यू कंचनपुर में पुलिय निर्माण कार्य।	03 माह रू47.32 लाख	रू 5000/- रू 35492/-	08/08/2023

नोट :-निविदा से संबधित किसी भी प्रकार के सशोधन काप्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की बेवसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र मे प्रकाशन नही किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री लोककर्म विभाग
नगर निगम जबलपुर

संपादकीय

मिठास के अधिक उपयोग से करें परहेज

चीनी अक्सर वजन बढ़ने और कई स्वास्थ्य समस्याओं के बढ़ते जोखिम से जुड़ी होती है। इसलिए, कई लोगों ने कृत्रिम मिठास का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। हालांकि, कृत्रिम मिठास नियमित चीनी से बेहतर नहीं हैं। कई अध्ययनों में कहा गया है कि कृत्रिम मिठास अस्वास्थ्यकर हैं। हाल ही में, सबसे अधिक उपयोग किए जाने वाले कृत्रिम मिठासों में से एक, एस्पार्टेम, वर्षों के शोध के बाद जांच के दायरे में है। विश्व स्वास्थ्य संगठन एस्पार्टेम को संभवतः मनुष्यों के लिए कैंसरकारी घोषित करने के लिए तैयार है। कार्सिनोजेनिक का अर्थ है कैंसर पैदा करने की क्षमता होना। सामान्य कृत्रिम स्वीटनर एस्पार्टेम कैंसर का कारण बन सकता है। ये निष्कर्ष सामने आना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया में भीमकाय कंपनियां कृत्रिम मीठे से बने उत्पादों का खरबों रुपये का कारोबार करती हैं। साथ ही दुनिया के तमाम इस तरह के शोधों को प्रभावित करने का भी दमखम रखती हैं। साथ ही महाशक्ति का राजाश्रय भी उनकी ताकत होती है। यही वजह है कि इस कृत्रिम मिठास को कैंसर कारक वर्ग में शामिल करने के बावजूद इस बाबत कोई निर्णायक दिशा-निर्देश नहीं आए कि इसका उपयोग न किया जाये। स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का एक वर्ग मानता है कि शुगर फ्री से कैंसर की आशंका को लेकर स्पष्ट चेतावनी सामने आनी चाहिए। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह जरूर कहा है कि लोग एस्पार्टेम वाले शुगर फ्री और डाइट खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। दरअसल, अब तक धारणा रही है कि चीनी से दो सौ गुना अधिक मीठे व कम कैलोरी खपत वाले पदार्थ से शुगर के घातक प्रभावों से बचा जा सकता है। दरअसल, यह पदार्थ विश्व की नामी कंपनियों के शीतल पेय पदार्थों के अलावा च्यूइंग गम व टूथपेस्ट आदि हजारों खाद्य पदार्थों में मिलाया जाता है। बीती सदी के अस्सी के दशक में उपयोग में आई कृत्रिम मिठास इससे पहले ही विवादों में घिरी रही है, स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसके नुकसान के प्रति चेताते रहे हैं।हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन के पोषण और खाद्य सुरक्षा विभाग की पहल के बाद इन पदार्थों के सेहत पर दुष्प्रभाव पड़ने की आशंकाओं के यथार्थ को दुनिया के सामने रखा है। कुछ लोगों की दलील है कि सीमित मात्रा में कृत्रिम मिठास वाले पदार्थ लेने से समस्या नहीं होती है। दरअसल, समस्या इसके अधिक मात्रा में सेवन करने से पैदा होती है। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर विशेषज्ञों की समिति अंतर्राष्ट्रीय कैंसर अनुसंधान संस्था के इसे संभावित कैंसर कारकों की सूची में वर्गीकृत करने के बाद उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ी है। ऐसे में मांग की जा रही है कि इसके उपयोग की सुरक्षित मात्रा का नियामक संस्थाएं निर्धारण करें। कुछ लोगों का अब तक मानना रहा है कि हृदय व मधुमेह रोगों के विस्तार में भी इसकी भूमिका रही है। वहीं इसके उपयोग के पक्षधर बताते हैं कि वजन के हिसाब से इसका उपयोग सुरक्षित होता है। लेकिन सवाल ये है कि बड़ी मात्रा में बच्चों द्वारा इसका उपयोग करने से उपजी चिंताएं अलग हैं क्योंकि उनसे संयम की उम्मीद कैसे की जाये। चिंता इस बात की भी है कि बच्चों में बचपन से अधिक मीठा लेने की आदत बन सकती है। वह भी तब जब वैज्ञानिक निष्कर्ष बताते हैं कि कृत्रिम मिठास वजन कम करने में मददगार नहीं है। ऐसे में चिकित्सक सलाह देते हैं कि चाहे प्राकृतिक शुगर हो या कृत्रिम मिठास, दोनों के अधिक उपयोग से परहेज करना चाहिए।

भारतीय विशेषज्ञों को देश वापिस लाने पर कौन सोचेगा?

केंद्र की भाजपा सरकार का जोर मेक इन इंडिया पर है.केंद्र सरकार दुनिया भर की महत्वपूर्ण तकनीक देश में मंगाकर उसे विकसित करने पर लगी है,पर इस पर जोर नही है कि भारत में बना सब भारतीयों का हो. विदेशी तकनीक से देश में उपकरण बनाने पर जोर है, विदेशी तकनीक लाने पर जोर है,पर विदेशों में जाकर बस रहे अपने तकनीशियन,विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों के वापिस देश में लाने पर किसी का ध्यान नही . भारत का ध्यान इस ओर क्यों नही कि उसके प्रवासी देश लौटें और देश के विकास में योगदान करें.

आंकड़े कहते हैं कि भारी संख्या में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ भारतीय दूसरे देशों में जाकर बस रहे हैं. प्रवासी सम्मेलन हम हर साल कराते हैं.दुनिया भर में बसे प्रवासियों के प्रतिनिधियों को बुलाते हैं. उनसे बात करते हैं बस. कभी गंभीरता से यह प्रयास नही हुआ कि विदेशों में बसे भारतीयों को भारत वापिस लाने पर काम किया जाए.

केंद्र सरकार ने गुरुवार को राज्यसभा को सरकारी आंकड़ों के हवाले से यह जानकारी दी कि साल 2011 के बाद से 16 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ी है . राज्य सभा में क्रमबद्ध तरीके से नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों को हर साल का आंकड़ा पेश किया.विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि साल 2011 के बाद से 16 लाख से अधिक भारतीयों ने अपनी भारतीय नागरिकता छोड़ी है. नागरिकता छोड़ने वालों में पिछले साल के 2,25,620 व्यक्त भी शामिल थे, जो इस अवधि के दौरान सबसे अधिक थे, जबकि 2020 में सबसे कम 85,256 व्यक्तियों ने भारतीय नागरिकता छोड़ी .उन्होंने बताया कि साल 2015 में भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की संख्या 1,31,489 थी, जबकि 2016 में 1,41,603 लोगों ने नागरिकता छोड़ी और 2017 में 1,33,049 लोगों ने नागरिकता छोड़ी. उनके मुताबिक 2018 में यह संख्या 1,34,561 थी, जबकि 2019 में 1,44,017, 2020 में 85,256 और 2021 में 1,63,370 भारतीयों ने अपनी नागरिकता छोड़ दी थी.विदेशमंत्री के अनुसार, 2022 में यह संख्या 2,25,620 थी. श्री जयशंकर ने कहा कि संदर्भ के लिए 2011 के आंकड़े 1,22,819 थे, जबकि 2012 में यह 1,20,923, 2013 में 1,31,405 और 2014 में 1,29,328 थे. वर्ष 2011 के बाद से भारतीय नागरिकता छोड़ने वाले भारतीयों की कुल संख्या 16,63,440 है.उन्होंने कहा कि सूचना के मुताबिक, पिछले तीन वर्षों के दौरान पांच भारतीय नागरिकों ने संयुक्त अरब अमीरात की नागरिकता प्राप्त की है. जयशंकर ने उन 135 देशों की सूची भी उपलब्ध कराई जिनकी नागरिकता भारतीयों ने हासिल की है.गृह मंत्रालय के मुताबिक़ साल 2021 में 163,370 लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ दी. संसद में पेश किए गए दस्तावेज़ में कहा गया है कि इन लोगों ने च्व्निजी वजहोंज्से नागरिकता छोड़ने का फ़ैसला किया है.सबसे ज़्यादा 78,284 लोगों ने अमेरिकी नागरिकता के लिए भारत की नागरिकता छोड़ी. इसके बाद 23,533 लोगों ने ऑस्ट्रेलिया और 21,597 लोगों ने कनाडा की नागरिकता ली.चीन में रह रहे 300 लोगों ने वहाँ की नागरिकता ले ली और 41 लोगों ने पाकिस्तान की. साल 2020 में नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या 85,256 थी और साल 2019 में 144,017 लोगों ने नागरिकता छोड़ी थी.साल 2015 से 2020 के बीच आठ लाख से ज़्यादा लोगों ने नागरिकता छोड़ दी. 2020 में इन आंकड़ों में कमी देखने को मिली थी, लेकिन इसके पीछे की वजह कोरोना माना जा रहा है.

संसद में जब पूछा गया कि ये भारतीय अपनी नागरिकता

क्यों छोड़ रहे हैं, तब भारत के गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि इन्होंने व्यक्तिगत कारणों से अपनी नागरिकता छोड़ी.भारतीयों के विदेश जाने और यहां तक कि अपनी नागरिकता छोड़ने के बहुत से कारण होते हैं. लेकिन एक मुख्य वजह बेहतर जीवन की तलाश होती है.इंटरनेशन्स द्वारा 2021 में किए गए एक्सपैट इनसाइडर सर्वे के अनुसार, 59 फीसदी भारतीयों ने रोजगार के बेहतर अवसरों के लिए विदेश में बसना पसंद किया.अपने जीवन में बेहतरी की चाहत को पूरा करने के लिए भारतीयों ने अमेरिका का सबसे ज्यादा पसंद किया है. अमेरिका में, भारतीय अमेरिकी दूसरा सबसे बड़ा प्रवासी समूह है. वहां, यह समूह धनी और सबसे शिक्षित में से एक है.आंकड़े बताते हैं कि एक भारतीय अमेरिकी परिवार की औसत आय करीब 123,700 डॉलर है, जो भारत की औसत आय 63,922 डॉलर से लगभग दोगुनी है.जहां तक शिक्षा का संबंध है, अमेरिका में भारतीय समुदाय के 79 फीसदी लोग ग्रेजुएट हैं, जबकि वहां का राष्ट्रीय औसत 34 प्रतिशत है.भारतीयों के विदेश में बसने और अपनी नागरिकता छोड़ने का एक दूसरा अहम और तेजी से उभरता कारण 'गोल्डन वीजा' कार्यक्रम है. कई देश यह सुविधा उपलब्ध कराते हैं.सिंगापुर और पुर्तगाल जैसे देश यह कार्यक्रम चलाते हैं. इस कार्यक्रम में अमीर व्यक्तियों को नागरिकता हासिल करने के बदले इन देशों में बड़ी मात्रा में निवेश करना होता है.हाल के वर्षों में ऐसे कार्यक्रमों को पसंद करने वाले भारतीयों की संख्या बढ़ी है. लंदन की सलाहकार फर्म हेनले एंड पार्टनर्स के मुताबिक, 2020 में इन्वेस्टमेंट माइग्रेशन प्लान के लिए भारतीयों द्वारा पूछताछ की संख्या में 62 फीसदी की वृद्धि देखी गई.ऐसे अमीर लोग कई कारणों से देश छोड़ देते हैं. इनमें बेहतर स्वास्थ्य सेवा से लेकर संबंधित देशों में व्यवसाय और निवेश के बेहतर माहौल शामिल हैं. इसलिए ऐसे भारतीय संबंधित देश की नागरिकता हासिल करना चाहते हैं.साथ ही भारत के पासपोर्ट स्कोर का मसला भी अहम है.भारत ने प्रवासी भारतीयों को दूहरी नागरिकता नही दी किंतु आईओसी की सुविधा दी है. प्रवासी भारतीय को भारत आईओसी (इंडियन ओरिजन कार्ड)उपलब्ध कराता है, इसके तहत उन्हें भारत आने के लिए वीजा की जरूरत नही पड़ती. इस कार्ड के आधार पर वे कितने भी समय भारत में रह सकतें हैं. वे बस भारत में कृषि संपत्ति नही खरीद सकते.वोट नही डाल सकते।

-अशोक मधुप

मानसून में शासक मौन भ्रष्टाचारी सून

मानसूनी बारिश हमारे देश में विकास के भ्रष्टाचार के सारे किस्सों का सच कह जाती है। इस मौसम में भ्रष्टाचार के बादल फट जाते हैं। दरकते पुल, बहती सड़कें, हांफता ड्रेनेज सिस्टम और जलभराव हमारे सिस्टम में फैली भ्रष्टाचार की सड़ांध को ही तो बयां करते हैं। भगवान ही जाने कि देश में कैसे ठेकेदार व इंजीनियर हैं कि एक बारिश सारा विकास बहा ले जाती है, और ठेकेदारों के लिये विकास के नये दरवाजे खोलती है। बड़ी-बड़ी परियोजनाओं के ठेके लेने को नेता और उनके कारिंदे जो बेताबी दिखाते हैं, उससे पता चलता है कि सरकारी योजनाएं कैसे भ्रष्ट तंत्र के लिये कामधेनु बनी हैं। राजनेताओं के चुनावों में पैसा पानी की तरह बहाने वाले ठेकेदारों और बिल्डर्स की जन्मपत्री इसी विकास की गंगा में डुबकी लगाने की अकुलाहट से समझी जा सकती है। पहले तो नेताओं की बड़ी परियोजनाओं में सीधी भूमिका होती है, जो नेताओं की सात पीढ़ी के खर्चे-पानी की व्यवस्था करती है। अगर नेता का परिवार या रिश्तेदार सीधे विकास योजनाओं के निर्माण में शामिल न हों तो उनका हिस्से का प्रतिशत ईमानदारी से उनके घर पहुंच जाता है। ईडी के छापों में करोड़ों की धनराशि नेताओं और नौकरशाहों के घर से बरामद होने को भ्रष्टाचार की अर्थव्यवस्था के रूप में समझा जा सकता है। नेताओं से कोई पूछे कि देश की राजधानी के जिन निचले इलाकों में यमुना हर बार अपनी जगह तलाशती है वहां बस्तियां कौन बसाता है? कौन अवैध घरों में बिजली-पानी का कनेक्शन देता है? नदी तो अपना इलाका नहीं भूलती। दस साल में बाढ़ के साथ नदी अपने इलाकों में पहुंचती है। उसकी याददाश्त तो ठीक है, मगर नेता और अधिकारी अपना फर्ज भूल जाते हैं।पहाड़ों की तो बात छोड़ दो, मैदानों में बड़े-छोटे शहर भी जरा-जरा सी बारिश में तालाब बन जाते हैं। कोई पूछे तो नगरपालिका तथा नगर परिषदों के चुने नुमाइंदों और अधिकारियों से कि प्लास्टिक के कचरे से भरी नालियों की सफाई मानसून से पहले हुई भी क्या? कितना बजट तय हुआ था नाले-नालियों की सफाई के लिये? कितना इस्तेमाल हुआ? कितना-कितना किस-किस की जेब में गया? कुछ ऐसे सवाल दिल्ली के उपराज्यपाल व आप नेताओं के बीच जुबानी तल्खी के दौरान भी आये थे। राष्ट्रीय राजधानी की बात छोड़ दें, देश की हर नगरपालिका, नगर परिषद और नगर निगमों में ऐसे तमाम किस्से हैं। किसी को ठेका दिया, उसने कमीशन लेकर किसी और को ठेका दे दिया। बारिश आयी तो सब विकास बहा ले गयी। जनता बस हाथ मलती रह गई।मानसूनी बारिश में और कुछ बहे न बहे मगर देश का विकास खूब बह जाता है। ठेकेदारों व इंजीनियरों की आंखों का पानी तो बस मर ही गया है। तभी तो आजादी से पहले अंग्रेजों के बनवाये पुल शान से खड़े हैं और आजादी के बाद देश के हर शहर में मोरबी पुल जैसे हादसे होते रहते हैं। हिमाचल की बाढ़ में भी तो कई पुल बह गये। उत्तराखंड में एक बड़ा पुल बीच से जमींदोज हो गया। अब जब नेताजी के चहेते को पुल निर्माण का ठेका मिलेगा तो ऐसा अनाड़ी खिलाड़ी पुख्ता पुल बनायेगा कैसे? पुल तो गिरना ही है। बिहार में पिछले दिनों सालों से बन रहा पुल भर-भराकर गिर गया। झेंप मिटाने को सरकार ने सफाई दी कि डिजाइन गलत था। आईआईटी के इंजीनियरों की सलाह पर दोषपूर्ण हिस्सा गिराया गया। चलो जितना भी भ्रष्टाचार हुआ कम से कम कुछ तो पुल बना। नहीं तो कहीं-कहीं तो कागजों में पुल बनता है और ग्रांट भी हज़म हो जाती है। कहते हैं कि बारिश के बाद कुदरत निखर जाती है। पेड़-पौधे नहा-धोकर दमकने लगते हैं। भारत में तो भ्रष्टाचार का चेहरा भी सामने आ जाता है। सड़कें बह जाती हैं। पुल धराशायी हो जाते हैं। नदियों के किनारे-पुश्ते ढह जाते हैं। नहरों में दरार पड़ जाती है। अधिकारी भूल जाते हैं कि बारिश ज्यादा हो गयी, बैराज के गेट खोलने थे। सवाल ये भी है कि दिल्ली में जिस पानी ने कोहराम मचाया, क्या उसे विभिन्न चरणों में धीरे-धीरे नहीं खोला जाना चाहिए था? क्यों पूरी दुनिया में फजीहत करायी कि विश्व गुरु बनने जा रहे देश की राजधानी यमुना में गोते लगाने को आतुर है? बस नेताओं को आरोप-प्रत्यारोप लगाने का मौका जरूर मिल गया। कहा गया कि दिल्ली को डुबाने को पानी छोड़ा गया। जब पानी सिर से गुजरने लगा तो दिल्ली के यमुना बैराज के फ्लड गेट खोलने की याद आई। याद आई तो पता लगा कि गेट खुल ही नहीं रहे हैं। कई दिनों के बाद सेना गेट खोलने की मशक्कत करती रही। गेट भी बड़े ढीठ निकले, खुल कर नहीं दे रहे थे। चुनावों में विधायकों व सांसदों की जय-जयकार करने वाले भक्तों को सरकार बनने के बाद जो ठेके बांटे जाते हैं, उनके किए काम विकास के ताबूत की कील साबित होते हैं। वे तो सिर्फ कमीशन खाते हैं और अपने आकाओं को हिस्सा देते हैं, उन्हें विकास व निर्माण की क्वालिटी से कोई लेना-देना नहीं होता। इसीलिए तो उद्घाटन से पहले पुल व भवनों का निर्माण जमींदोज होने की खबरें आती हैं। अब जब समस्या गंभीर होती जा रही है तो हमें समस्या के हल के विकल्पों के बारे में गंभीरता से सोचना है। यह संकट तब तक दूर न होगा जब तक एक नागरिक के रूप में हम जिम्मेदार भूमिका नहीं निभाएंगे। सरकारी पैसा हमारा है इस सोच से निगरानी करनी है। समय की मांग है कि विकास योजनाओं और जल निकासी की योजनाओं का सोशल ऑडिट हो। जनता नुमाइंदों से पूछे कि कितना पैसा लगा, कहां लगा और समाधान कितना प्रभावी है। मीडिया का काम जगाना है। अब वक्त आ गया है कि मानसूनी धुलाई से खुलती भ्रष्टाचार की कलई पर निर्णायक रोक लगे।

नरेश कौशल

आपका राशिफल 26 जुलाई
शुभांक - 389

पं.लोकेश व्यास

- **मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): भावुकता बढ़ेगी मामलों को लेकर सफलता प्राप्त होगी
- **वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीनता बढ़ेगी शत्रु परास्त होंगे
- **मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): माता का स्वास्थ्य खराब रहेगा रचनात्मकता बढ़ेगी स्वयं की भी चिंता रहेगी
- **कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्नेही जनों के साथ घनिष्ठता धन का नुकसान होने की संभावना है सतर्क रहें
- **सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): गुस्से पर काबू रखें ज्यादा मीठा खाने से बचें
- **कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): नकारात्मक विचार आएंगे आपस में दांपत्य जीवन में वैचारिक मतभेद रह सकते हैं
- **तुला** (रा री रू रे रो ता ती तू ते): बुद्धि का इस्तेमाल में सतर्क रहें पार्टनर के साथ अच्छा सा व्यतीत होगा
- **वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो या यी यू): नए अवसर मिलेंगे बचत करने में कामयाब होंगे
- **धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): ईर्ष्या पर काबू रखें ढुलमुल रवैया से बचें
- **मकर** (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): दूसरों के मामले में टांग ना लाएं वाहन सावधानी से चलाएं
- **कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): निर्णय में देरी होगी प्रलोभन से बचें
- **मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): लोगों के विरोध का सामना करना पड़ेगा निवेश करना लाभकारी साबित होगा

राशिफल चंद्रमा और नक्षत्रीय गणना अनुसार लिया गया है अपने भविष्य की जानकारी के लिए संपर्क करें
ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास
संपर्क - 9009074786

रेडबस ने 136 शहरों में 167 दैनिक बसों द्वारा जबलपुर को मध्य प्रदेश के हर कोने से जोड़ा

जबलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश में ऑनलाइन बस टिकट की सेल दोगुनी करने का है लक्ष्य पार्टनर बस के अपने नेटवर्क द्वारा रेडबस जबलपुर में 167 दैनिक बसों की ऑनलाइन बुकिंग करता है, और 137 से ज्यादा शहरों को जोड़ते हुए मध्य प्रदेश के सबसे दूरदराज के इलाकों तक भी पहुँचता है बेहतर सड़कों, कनेक्टिविटी और डिजिटल टिकट की बढ़ती बुकिंग के कारण बस यात्रा और ऑनलाइन टिकटिंग में हुई वृद्धि। दुनिया के अग्रणी ऑनलाइन बस टिकटिंग प्लेटफॉर्म, रेडबस ने बताया कि 24 जुलाई को यह 77 बस ऑपरेटर्स के साथ साझेदारी में 167 दैनिक बसों के साथ 136 शहरों को सेवाएं दे रहा है, जो जबलपुर को राज्य के अंदर और बाहर स्थित शहरों से जोड़ रही हैं। सड़क के इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार, हाईवे की कनेक्टिविटी, और तीव्र डिजिटाईज़ेशन के साथ रेड बस ने मध्य प्रदेश को वृद्धि के एक प्रमुख बाजार के रूप में स्थापित कर दिया है, और राज्य के हर जिले को इसकी ऑनलाइन बुकिंग सेवा से जोड़ दिया है। रेडबस के सीईओ, प्रकाश संगम ने कहा, ''हम मध्य प्रदेश और विशेष रूप से जबलपुर में बस परिवहन उद्योग की वृद्धि की संभावनाओं को देखकर उत्साहित हैं। यहाँ पर राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार एवं अनुकूलनियमों के साथ एक बहुत बड़ा बाजार है। डिजिटाईज़ेशन बढ़ने के साथ हमसे हाल ही में कई नए ऑपरेटर्स जुड़े हैं, जिससे उनकी डिजिटल पहुँच और वितरण बढ़ रहा हैं और 167 दैनिक बस शेड्यूल्स का एक विशाल नेटवर्क विकसित हुआ है। इसलिए रेडबस मध्य प्रदेश के हर क्षेत्र में बस यात्रियों को बस टिकट सुगमता से ऑनलाइन बुक करने में समर्थ बना रहा है, और उन्हें इंटरसिटी बस सेवा के सबसे बड़े नेटवर्क्स में से एक केसाथ सीट सलेक्शन, लाईव बस ट्रैकिंग, इंस्टैंट रिफंड, भरोसेमंद रेटिंग और रिव्यू, एवं 24/7 कस्टमर सपोर्ट जैसी अनेक सुविधाएं प्रदान कर रहा है।''
बस ऑपरेटर्स को सपोर्ट करने के लिए रेडबस ने ''साथी'' का लॉन्च किया है। यह उन बस ऑपरेटर्स के लिए रेडबस का फ्लैगशिप अभियान है, जो ऑनलाइन बस टिकटिंग के परिवेश में नए हैं।

एयरटेल बनी भारत की सबसे बड़ी सेल्यूलर आईओटी कम्पनी

जबलपुर, यशभारत। भारत के अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक, भारती एयरटेल के बी2बी डिवीजन एयरटेल बिजनेस ने घोषणा की है कि कम्पनी भारत की सबसे बड़ी सेल्यूलर आईओटी कंपनी बन गई है। एयरटेल बिजनेस, टेलीकॉम उद्योग जगत में यह उपलब्धि पाने वाला देश का पहला आईओटी सर्विस प्रोवाइडर बन गया है। एयरटेल आईओटी ऑटोमोबाइल, ऊर्जा, उपयोगी सेवाओं, संभार तंत्र, वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण व अन्य कई क्षेत्रों के उद्यमों को एक सुरक्षित और समर्पित निजी नेटवर्क के साथ जुड़े हुए उपकरणों में ग्राहकों के सभी डेटा का सुरक्षित आदान-प्रदान सुनिश्चित करता है। एयरटेल ने हाल के दिनों में आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) को लागू करने में महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की हैं। कंपनी ने एनबी-आईओटी तकनीक का उपयोग करके बिहार में 1.3 मिलियन स्मार्ट मीटर लगाए जाने के लिए सिक्योर मीटर्स के साथ साझेदारी की है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने ओडिशा में 0.2 मिलियन स्मार्ट मीटर लगाने के लिए ओडिशा सरकार और टाटा पावर के संयुक्त उद्यम टीपी वेस्टर्न ओडिशा डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के साथ साझेदारी की। एक अन्य सफल सहयोग मैटर मोटर वर्क्स के साथ हुआ, जहां सेलुलर आईओटी तकनीक के माध्यम से 3 मिलियन बाइक्स को संचालित किए जाने की क्षमता प्रदान की गई है। गणेश लक्ष्मीनारायणन ङ्क सीईओ, एयरटेल बिजनेस (इंडिया) ने कहा, आईओटी भारत के डिजिटल विस्तार का एक प्रमुख स्तंभ है।

एबिलम्बपिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन

जबलपुर, यशभारत। दिव्यांगों हेतु अपनी प्रतिभा और क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए एबिलम्बपिक्स प्रतियोगितायें आयोजित की जानी है इस हेतू एक बैठक का आयोजन समन्वय सेवा केंद्र छोटी लाइन फाटक में हुआ। इस बैठक में रजनीश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया इस बार वर्ष 2027 में अंतरराष्ट्रीय एबिलम्बपिक्स प्रतियोगिता का आयोजन भारत में कराने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। इसी प्रकार रीजनल प्रतियोगिता का आयोजन हेतु जबलपुर मे प्रयासरत है इस हेतु पंजीयन 7 अगस्त को एन.ए.आई राष्ट्रीय संगठन सार्थक एनजीओ रोटरी क्लब साउथ जबलपुर एवं क्षेत्रीय नोडल संगठन समन्वय सेवा केंद्र में किया जा रहा है। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के लिए कुकिंग, पेंटिंग, बेकरी, ड्रेस मैचिंग, टेलरिंग, फोटोग्राफी, ज्वेलरी मेकिंग, केक डेकोरेशन, वेब डिजाइनिंग, बास्केट मेकिंग, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सहित अन्य प्रतियोगिताएं होंगी।बैठक में कमलेश नेमा, पुष्पा ठाकुर, संजय तिवारी, उत्तमराव, संजीदा परवीन, प्रेम भंडारकर एम वेणु, गोपाल नायडू उपस्थित रहे।

खुद को तराशिए अनरूथा जीवनभर तरसना पड़ेगा। शांत रहना सीखिए। देखना बक बक करने वाले भी एक दिन तुम्हें सलाम करेंगे। हर सवाल का जवाब मत दीजिए। चुप रहिए, चुप्पी बहुत से सवालों का जवाब है। सुनते रहिए। पर जवाब उसी बात का दीजिए जो उचित हो। याद रखना नींद आवश्यक है पर इसका यह मतलब नहीं कि कुंभकर्ण बन जाओ। निद्रा और निंदा से बचिए।

- मुनिश्री तरुण सागर

आई.एस.ओ. 9001:2000 अवार्ड प्राप्त
यश भारत
नये जमाने के साथ..
Classified
क्लासीफाइड (वर्गीकृत विज्ञापन)
• आवश्यकता • प्रापर्टी • लोन • मकान •
• दुकान/आफिस खरीदना बेचना •
• ज्योतिष • शिक्षण • ट्रेवल्स व अन्य •
1 माह Rs.1800/- | 15 दिन Rs.1200/- | 7 दिन Rs.500/- | 3 दिन Rs.250/- | 1 दिन Rs.150/-
व्यवसाय बढ़ायें-समाधान पायें यशभारत के साथ
भवन नामांतरण | आम सूचना | इश्तहार | गुमशुदा | नाम सुधार | जन्मदिन
बुकिंग हेतु संपर्क करें मो. : 9407348995, 9425160507
e-mail : jabalpur@yasshbharat.com

फिल्म वर्ग पहेली - 6236

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 6235

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	ग	
र		ड़े		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वों		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	लो
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6749
★★★☆☆ मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6748 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 7749

बाएँ से दाएँ

1.दर्द से निकली कराह-2
2.ओट,चिलमन-3
4.जरा,थोड़ा-2
6.कपड़े की दीवार-3
7.निर्माण-3
8.झगड़ा,अनबन-3
9.गहन-3
10.लाज,लज्जा-3
11.रनिवास-3
13.500 कागजों की गड्डी-2
14.विश्राम,राहत-3
15.थोड़ा-2
16.एक कीमती लकड़ी-3
17.कैनाल,उपनदी-3
18.बूंद-3
19.मृत्युंजय-3
20.मेघ,बदरा-3
21.सम्राट,राजा-3
23.संपत्ति-2
24.विष,गरल-3
25.औषधि-2

ऊपर से नीचे

1.अग्नि,अनल-2
2.आश्रय,शरण-2
3.लीन,मगन-2
4.कूड़ा-कर्कट-3
5.इंकार-2
6.लेखनी,पेन-3
7.करुणा,दया-3
8.कर्म,भाग्य-3
9.उष्ण-3
10.भद्र,कुलीन-3
11.अवैध,नाजायज-3
12.युद्ध,रण-3
14.आश्रय-3
15.जलजला-3
16.ठंडा-3
17.नमस्कार,प्रणाम-3
18.कद्र,मान-3
19.जो कभी वृद्ध नो हो-3
20.चील,ईगल-2
21.पथ,मार्ग-2
22.इस पर रोटी सेंकते हैं-2

शब्द पहेली -7748 का हल

र	व		ह	सी	न		रा	व
न	हा	ना		मा	र	ना		म
	र	च	ना		क	पा	स	
सा		ना	का	रा		क	र	ना
व	ध		म	ह	रि		ल	य
न	र	म		त	स	ला		क
	ती	स	रा		ना	य	क	
रा		का	य	र		क	हा	नी
ह	त्या		ता	म	स		र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

» न्यूज गैलरी

एमडी-एमएस और एमडीएस में प्रवेश के लिए काउंसलिंग शुरू

भोपाल यशभारत। प्रदेश के सरकारी और निजी मेडिकल कालेजों में एमडी-एमएस और एमडीएस में प्रवेश के लिए आनलाइन काउंसलिंग मंगलवार (25 जुलाई) से शुरू होगी। इसमें सरकारी कालेजों की 1100 से अधिक एमडी-एमएस सीटों पर प्रवेश होंगे। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय द्वारा जारी काउंसलिंग कार्यक्रम के अनुसार पंजीयन 25 जुलाई से दो अगस्त तक होगा। रिक्त सीटों की अंतिम जानकारी एक अगस्त को जारी की जाएगी। पहले चरण का सीट आवंटन 11 अगस्त को होगा। अभ्यर्थी आवंटित सीटों पर 12 से 18 अगस्त के बीच प्रवेश ले सकेंगे। इसके बाद दूसरे चरण की काउंसलिंग शुरू होगी। इसका कार्यक्रम बाद में जारी किया जाएगा।

फिर जमा होने लगे लाड़ली लक्ष्मी योजना के आवेदन

भोपाल, यशभारत। मंगलवार से मप्र में लाडली बहना योजना का पोर्टल फिर से खोल दिया जाएगा। इसके बाद पात्र महिलाएं इसमें आवेदन कर सकेंगी। साथ ही इस बार ट्रैक्टर धारक परिवार की महिलाओं को भी योजना की पात्रता में शामिल किया है। यह बात संभागायुक्त माल सिंह ने सोमवार को महिला एवं बाल विकास के अधिकारियों के साथ आयोजित वीडियो काफ्रेंसिंग के दौरान कही। साथ ही अधिकारियों को निर्देश दिया है कि कुपोषित बच्चों के लिए गृह भेंट के अलावा जरूरतमंद बच्चों के लिए एनआरसी में शत प्रतिशत दाखिला करवाया जाए। बैठक में आगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और उप कार्यकर्ता के पदों पर नियुक्ति की भी समीक्षा की गई।

किसानों के साथ कलेक्टर का संवाद

भोपाल(ईएमएस)। कलेक्टर भोपाल आशीष सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को तहसील बैरसिया के विभिन्न किसान संगठनों और किसानों के प्रतिनिधियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में किसानों से जुड़े सभी विभाग एवं किसानों की परेशानी को दूर करने आगामी समय में फसल के लिए बीज, खाद, बिजली, उपार्जन की उचित व्यवस्थाएं करने पर चर्चा हुई। इस दौरान किसानों की जमीनों से जुड़े हुए खसरा, खतौनी नामांतरण आदि समस्याओं को कलेक्टर ने संबंधित एसडीएम हुजूर एवं बैरसिया, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन, जल संसाधन, सहकारिता विभाग के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। किसानों एवं प्रतिनिधियों द्वारा अलग-अलग विषयों पर कलेक्टर को अवगत कराया गया। सभी विभागों ने किसानों को अपने-अपने विभाग की योजना एवं पात्रता की विस्तृत जानकारी दी।

मप्र में कांग्रेस चुनाव अभियान समिति की जल्द होगी घोषणा

भोपाल यशभारत। मध्यप्रदेश में जल्द ही कांग्रेस चुनाव अभियान समिति की घोषणा होगी। चुनाव अभियान समिति में करीब 20 सदस्य होंगे। चुनाव अभियान समिति की लिस्ट पर आलाकमान ने अंतिम मुहर लगा दी है। पीसीसी चीफ समेत कई पूर्व मंत्रियों को जगह मिलेगी। प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ के अलावा अन्य वरिष्ठ नेताओं को चुनाव अभियान समिति में जगह मिलेगी। नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह, कांतिलाल भूरिया, अरुण यादव, अजय सिंह, सुरेश पचौरी, विवेक तन्खा समिति में शामिल होंगे। इसके अलावा पूर्व मंत्रियों को भी जगह मिलेगी। इसमें तरुण भनोट, सज्जन सिंह वर्मा, जीतू पटवारी, सुखदेव पांसे, लाखन सिंह यादव, ओमकार सिंह मरकाम शामिल है।

मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन खिलाड़ियों को दी बधाई

भोपाल, यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भारत के स्टार बेडमिंटन खिलाड़ी सात्विक साईराज और चिराग शेट्टी को कोरिया ओपन बेडमिंटन के पुरुष युगल का खिताब जीतने पर बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। मुख्यमंत्री चौहान ने ट्वीट कर कहा कि - यह अभूतपूर्व सफलता आपकी दृ? इच्छा-शक्ति और सतत् समर्पण का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि ऐसे ही सर्वदा विजय आपका वरण करती रहे।

बैठक

सीएम शिवराज की बैठक में निर्णय

भोपाल में महाराणा प्रताप पार्क, ग्वालियर में बनेगा आंबेडकर धाम

भोपाल यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय में हुई जिला खनिज प्रतिष्ठान की राज्य स्तरीय बैठक में कई बड़े कार्यों को स्वीकृति दी गई। इनमें भोपाल में महाराणा प्रताप और उनके सहयोगियों के गौरवशाली इतिहास को दर्शाते हुए पार्क विकसित करने, बलिदानियों के सम्मान में रेजांगला युद्ध स्मारक के निर्माण, बंजारी में इनडोर और आउटडोर खेल गतिविधियों के लिए डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्टेडियम के उन्नयन और जगदीशपुर भोपाल में ऐतिहासिक व्यक्तित्वों पर केंद्रित मिनी पार्क निर्माण के कार्य शामिल हैं।

इंदौर स्थित नेहरू स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने, इंदौर के निकट जानापाव पहाड़ी पर रोप-वे निर्माण, ग्वालियर जिले में बाबा साहब डां.भीमराव आंबेडकर पर केंद्रित आंबेडकर धाम स्थापित करने और दतिया में मां पीतांबरा कारिडोर का निर्माण और वहां सुविधाओं का विस्तार शामिल है। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला खनिज प्रतिष्ठान में उपलब्ध राशि से जनजातीय मजरों-टोलों के विद्युतीकरण के कार्य प्राथमिकता पर कराए जाएं। मूलभूत आवश्यकताओं और जन-उपयोगी सुविधाओं से जुड़े कार्यों को सर्वोच्च महत्व दिया जाए। बैठक में श्रम मंत्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस, प्रमुख सचिव खनिज साधन राघवेंद्र कुमार सिंह उपस्थित थे।

और स्मार्ट बनेगा नर्मदापुरम

नर्मदापुरम को धार्मिक, आध्यात्मिक नगरी के रूप में स्मार्ट स्वरूप देने, रीवा में कोल ग?ी के जीर्णोद्धार, सीहोर जिले के ग्राम पिपलानी में कोरकू समुदाय के राजा भभूत सिंह जी के नाम पर पार्क विकसित करने की भी स्वीकृति हुई। सिंगरौली जिले के बरगवां में शासकीय महाविद्यालय भवन निर्माण और बै?न में पीजी कालेज भवन निर्माण को स्वीकृति मिली। विभिन्न ग्राम पंचायतों में सामुदायिक भवन, रैन-बसेरा, छात्रावास निर्माण, पहुंच मार्ग, पुलिया, तालाबों के जीर्णोद्धार तथा अन्य जन-सुविधाओं से संबंधित कार्यों को भी स्वीकृति दी गई।

भोपाल में बनेगा राष्ट्रीय मीडिया संग्रहालय

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की महा-परिषद की बैठक में जानकारी दी गई कि भोपाल में राष्ट्रीय मीडिया संग्रहालय की स्थापना की जाएगी। मुख्यमंत्री चौहान ने विश्वविद्यालय में केन्द्रीय स्टूडियो, डिजिटल मीडिया लैब, सिनेमा और भारतीय भाषाओं पर केन्द्रित पृथक विभागों तथा भरतमुनि शोध पीठ की स्थापना के प्रस्ताव को अनुमोदित किया। जनवरी 2018 के बाद हुई महा-परिषद की बैठक में पूर्व वर्षों के बजट अनुमान, लेखों एवं अंकेक्षण प्रतिवेदन का अनुमोदन किया गया। विभिन्न प्रबंधकीय विषयों पर भी निर्णय लिए गए। बताया गया कि एशिया के पहले और देश के सबसे बड़े पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों को लागू किया गया है। इंडिया टूडे, द वीक जैसी प्रतिष्ठित पत्रिकाओं द्वारा विश्वविद्यालय को देश के प्रथम 10 शिक्षण संस्थानों में शामिल किया गया है।

महिला बाल विकास की समीक्षा

नवीन निर्देशों के तहत लाड़ली बहना के फार्म भरवाएं- कमिश्नर मालसिंह

भोपाल, यशभारत। कमिश्नर भोपाल संभाग माल सिंह ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य शासन के नवीन नियम अनुसार लाडली बहनों से आवेदन जमा करवाने में उनकी मदद करें। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन ने विवाहित बहनों की आयु सीमा 21 वर्ष और ट्रेक्टर धारक परिवार की महिलाओं को भी योजना की पात्रता में शामिल किया है। पोर्टल पर आवेदन 25 जुलाई से जमा होंगे। वी सी के माध्यम से हुई बैठक में सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संयुक्त संचालक महिला बाल विकास श्रीमती नकी जहां कुरैशी और जिला अधिकारी उपस्थित थे। कमिश्नर ने निर्देश दिए हैं कि कुपोषित बच्चों के लिए गृह भेंट के अलावा जरूरतमंद बच्चों के लिए एनआरसी में शत प्रतिशत दाखिला करवाया जाये। उन्होंने पूरक पोषण आहार का वितरण चार्ट अनुसार वितरित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जिला अधिकारियों को फील्ड में जाकर निरीक्षण आदि करने के भी निर्देश दिए।बैठक में आगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका और उप कार्यकर्ता के पदों पर नियुक्ति की भी समीक्षा की गई। कमिश्नर मालसिंह ने निर्देश दिए हैं कि जनपद स्तरीय महिला बाल विकास समिति की बैठक आयोजित कर नियुक्तियों की अंतिम सूची को अनुमोदित कर सभी कार्यवाही आगामी 10 दिवस में पूरी कर ली जाए। कमिश्नर ने राज्य शासन की मंशा अनुरूप गांवों में गठित की गई लाडली बहना सेना के गठन की भी समीक्षा की।

अमित शाह आज आएंगे भोपाल

भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तय करेंगे चुनावी मुद्दे

भोपाल, यशभारत। मध्य प्रदेश में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी भाजपा ने तेज कर दी है। लगातार केंद्रीय नेतृत्व मध्य प्रदेश का दौरा कर चुनावी रणनीति बना रहा है। एक बार फिर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज भोपाल आएंगे और पार्टी कार्यालय में भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे। वे रात्रि विश्राम होटल ताज भोपाल में करेंगे और 27 जुलाई को दिल्ली वापस जाएंगे।

अमित शाह लेंगे अंतिम निर्णय

केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेंद्र सिंह तोमर, चुनाव प्रभारी भूपेंद्र यादव और सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव ने भोपाल में बैठकें कर चुनावी फीडबैक लिया और इसकी कार्ययोजना तैयार कर ली है।

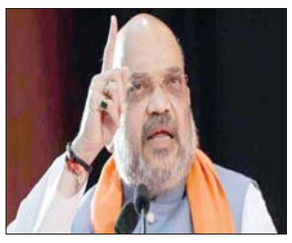

अब इस पर अंतिम निर्णय शाह लेंगे।

बनेगी चुनाव के लिए कार्ययोजना

विधानसभा चुनाव में भाजपा की दिशा क्या होगी, मुद्दे क्या होंगे और नारे क्या होंगे, इसकी भी कार्ययोजना बनाई जाएगी। शाह प्रदेश भाजपा कार्यालय में रात्रि आठ बजे से केंद्रीय मंत्री व पार्टी पदाधिकारी के साथ बैठक करेंगे, जो रात्रि 11.35 बजे तक चलेगी। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 अगस्त को सागर में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों के साथ आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। विधानसभा चुनाव की दृष्टि से पार्टी ने विभिन्न समितियां बनाई हैं। इनमें इंटरनेट मीडिया, विज्ञापन-क्रिएशन, काल सेंटर, चुनाव आयोग प्रबंधन, चुनाव प्रबंधन, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रवास की व्यवस्था संबंधी समिति है। इन समितियों में चार से लेकर 13 सदस्य रखे गए हैं। शाह इन समिति के सदस्यों के साथ भी बैठक करेंगे।

मंत्री डॉ. चौधरी ने उज्जैन और सिंगरौली अस्पताल में भर्ती मरीजों से वर्चुअली संवाद किया

भोपाल(ईएमएस)। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने सिंगरौली और उज्जैन जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों से वीडियो कॉल पर वर्चुअली संवाद किया। अस्पताल में उपचार के साथ मिल रही अन्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने उज्जैन जिले के घटिया विकासखण्ड के हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर जेथल की सीएचओ रेणुका तिवारी से सेंटर में आने वाले मरीजों को दिये जाने वाले उपचार और सेंटर पर संचालित गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला चिकित्सालय उज्जैन में भर्ती श्रीमती सावित्री बाई से बात की। सावित्र बाई ने बताया कि उन्हें जिला अस्पताल में समय पर दवाई, नाश्ता और भोजन मिल रहा है।

आयुर्वेद कालेज के सामने नाले में फेंकी दवाएं प्रबंधन का दावा- हमारे यहां आपूर्ति नहीं होती

भोपाल, यशभारत। शहर के अंदर खतरनाक रसायन वाली दवाओं का जखीरा नाले में फेंका जा रहा है, कबाड़ी उन दवाओं से बोतल व पानी पानी के लिए उनके अंदर की दवाओं को पानी में खाली कर रहे हैं। यह सब कुछ खुलेआम हो रहा है लेकिन कोई टोकने और रोकने वाला नहीं है। ऐसा ही एक दृश्य सोमवार को पंड़ित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद कालेज के सामने देखने को मिला। यहां नाले में फेंकी दवाओं की उपयोग की तारीखें निकल गई है। नजदीक में खुशीलाल आयुर्वेद अस्पताल के होने से यह कहा जाने लगा कि यह दवाएं यहीं उपयोग की जाने वाली हो सकती है लेकिन जब संस्थान के डीन डा. उमेश शुक्ला से पूछा गया कि दवाएं अस्पताल से फेंकी गई है तो उन्होंने कहा कि जिन दवाओं के नाम है, वे अस्पताल से नहीं दी जाती है। फिर भी अस्पताल के सामने की घटना है तो इस संबंध में मंगलवार जांच कराई जाएगी। उल्लेखनीय है कि पूर्व में इस अस्पताल के करीब डैम में दवाओं का जखीरा मिला था। पर्यावरणविद् डा. सुभाष सी पांडेय का कहना है कि दवाओं में कई तरह के केमिकल होते हैं, जो पर्यावरण, उसमें पाए जाने वाले जीव-जंतु, वनस्पति व जल को दूषित कर सकते हैं। इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

अपहरण के आरोपित की गिरफ्तारी के लिए बनी पुलिस की चार टीम

भोपाल, यशभारत। बागसेवनिया में चार बदमाशों ने एक युवक को अगवा कर दो घंटे तक जमकर पीटा। किसी तरह युवक देर रात आरोपितों के चंगुल से जान बचाकर भाग निकला। विवाद की वजह पुरानी रंजिश बताई जा रही है। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने चार आरोपितों के खिलाप रास्ता रोककर अगवा करने, मारपीट, गाली-गलौच, धमकी के केस दर्ज कर लिया है,लेकिन आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मामले में आरोपित की तलाश के लिए पुलिस ने चार टीमें बना दी है। बागसेवनिया पुलिस के मुताबिक, 25 वर्षीय रोहित विश्वकर्मा दुर्गा नगर में रहता है और 10 नंबर पर चाय की दुकान संचालित करता है। रविवार रात पौने 11 बजे रोहित अपने घर जा रहा था। वह अभी हबीबगंज नाका पहुंचा था। तभी रास्ते में उसे धीरेंद्र, छोटू, पवन और सौरव मिले। चारों को स्कूटर पर सवार थे। उन्होंने रोहित का रास्ता रोक लिया। चारों ने पुरानी रंजिश के चलते रोहित को गाली देना शुरू कर दिया। रोहित ने विरोध किया तो उन्होंने मारपीट कर उसे जबरदस्ती अपने साथ स्कूटर पर बैठाकर उसका अपहरण कर लिया। वे उसे श्याम नगर ले गए। जहां उसके साथ डंडे, हाथ-मुक्कों से जमकर मारपीट की। करीब दो घंटे तक चारों ने उसके साथ मारपीट करते रहे। किसी तरह रोहित उनके चंगुल से छूटकर भाग निकला।

बीमार श्रमिक की मदद करने आगे आए लोग

सीएम हाऊस से आपरेशन कराने की गुहार

भोपाल यशभारत। लहारपुर झुग्गी बस्ती वार्ड क्रमांक 55 निवासी मुकेश पंडित लंबे समय से लीवर की बीमारी से परेशान है। चिकित्सकों ने उसे आपरेशन कराने की सलाह दी है लेकिन आर्थिक तंगी के कारण आपरेशन तो दूर वह दवाओं तक की व्यवस्था नहीं कर पा रहा है। इंटरनेट मीडिया पर अपील के बाद लोग उसकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं लेकिन सरकारी स्तर पर उसे कोई सहायता नहीं मिली है। परिवार ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से आपरेशन कराने की गुहार की है। 29 वर्षीय मुकेश पहले मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करता था। इसी दौरान उसकी तबियत खराब हो गई। मुकेश ने सरकारी अस्पताल से इलाज कराया लेकिन फायदा नहीं हुआ। एम्स में जांच कराई तो पता चला संक्रमण के कारण लीवर में खराबी है। अस्पताल प्रशासन ने उसे कुछ समय तक भर्ती भी किया लेकिन आपरेशन नहीं हो सका। मुकेश के अनुसार उसके पास आयुष्मान कार्ड भी है फिर भ उसका पूरा इलाज नहीं हो रहा है। हर माह करीब 20 हजार रूपये की दवाएं लेनी पड़ रही है। समाजसेवी उमाशंकर तिवारी की अपील के बाद मुकेश को करीब 70 हजार रूपये की मदद मिली है पर सरकारी मदद नहीं मिल पा रही है। इलाज पर पांच लाख रूपये से अधिक खर्च है।

मुख्यमंत्री चौहान ने बेलपत्र करंज और नीम के पौधे लगाए

भोपाल,यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट उद्यान में बेलपत्र, करंज और नीम के पौधे लगाए। मुख्यमंत्री चौहान के साथ गंज बासौदा (विदिशा) की पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती मधुलिका रंजन अग्रवाल ने अपने पोते जक्ष के पहले जन्म-दिवस पर बेलपत्र का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री चौहान ने पौध-रोपण कर बालक जक्ष को गोदी में लेकर दुलार किया। उनके परिजन राजन अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, सुश्री सुरभि अग्रवाल ने भी पौधे लगाए।मुख्यमंत्री चौहान के साथ श्रीमती अमिता त्रिवेदी ने अपने पिता श्रद्धेय मुरलीधर त्रिवेदी की 100वीं जयंती पर पौध-रोपण किया। डॉ. अनुजा पाठक, सुश्री सीमा त्रिवेदी और पवन साथ थे। मुख्यमंत्री चौहान के साथ राष्ट्रीय सरपंच संघ के अध्यक्ष जयराम पलसानिया ने पौधा लगाया।

मप्र विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरेगी सपा, अखिलेश यादव ने कहा

भोपाल, यशभारत। समाजवादी पार्टी ने मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस बार पूरी मजबूती से उतरने की तैयारी कर ली है। पार्टी को इस बार वहां अच्छी संभावना दिख रही है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को कहा कि हम मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पूरी ताकत के साथ उतरेंगे। वहां के चुनाव में आपसी तालमेल और एकजुटता से अच्छे परिणाम आ सकते हैं। उन्होंने बताया वर्ष 2003 में सपा के सात विधायक जीते थे। इस बार उससे से अधिक विधायक जीतेंगे। सपा मुखिया ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में मध्य प्रदेश के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ चुनाव पर चर्चा की। उन्होंने इस दौरान संभावित विधानसभा प्रत्याशियों के नामों पर भी चर्चा की। सपा मुखिया ने कहा कि पार्टी के पास बड़ी संख्या में निष्ठावान कार्यकर्ता हैं।

अधिकारी-कर्मचारियों के जीपीएफ का वार्षिक विवरण ऑनलाइन

भोपाल(ईएमएस)। राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों को उनके सामान्य भविष्य निधि लेखाओं के वर्ष 2022-23 के वार्षिक लेखा-विवरण महालेखाकार सामान्य भविष्य निधि कार्यालय की वेबसाइट 222.agmp.nic.in पर ऑनलाइन उपलब्ध करा दिये गये हैं। अधिकारी-कर्मचारी अपनी सीरीज प्रविष्ट कर और एकाउंट नम्बर कॉलम में अपना सामान्य भविष्य निधि लेखा क्रमांक तथा पासवर्ड प्रविष्ट कर लेखा-विवरण प्राप्त कर सकते हैं।कार्यालय प्रधान महालेखाकार द्वारा सामान्य भविष्य निधि वार्षिक लेखा विवरण की दी गई जानकारी में बताया गया कि लेखा विवरणों में किसी विसंगति के ऑनलाइन सुधार अथवा अन्य शिकायतों के लिये अभिदाता सत्यापित विवरण सहित वेबसाइट पर Pr.Accountant General (A & E)-II में Online Services खोलकर Register Grievances (AG) में अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत का निराकरण एक माह में प्रधान महालेखाकार की निगरानी में किया जाता है।अभिदाता अपनी शिकायत दूरभाष क्रमांक 0751-2432457 और व्हाट्सएप नम्बर 8827409410 पर भी कर सकते हैं।

लेखा विवरणों में किसी भी विसंगति का सुधार भी ऑनलाइन

एक दर्जन से ज्यादा जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

भोपाल ,यशभारत। प्रदेश में एक बार फिर से मौसम विभाग ने भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के चौदह जिलों में जबर्दस्त बारिश होने का अनुमान है। इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और भोपाल संभाग में सिस्टम अभी भी सक्रिय बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश में वर्षा के चार सिस्टम सक्रिय बने हुए हैं। हालांकि, इनका असर पूरे प्रदेश में नहीं है। मानसून द्रोणिका के मध्य प्रदेश में बने रहने और अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से रुक-रुककर वर्षा का सिलसिला बना हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम विज्ञानी बताते हैं कि मानसून द्रोणिका वर्तमान में दीसा, रतलाम, बैतूल, ब्रह्मपुरी, कांकेर, कलिंगपट्टनम से होकर बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है।मप्र के मध्य में हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। दक्षिणी ओडिशा में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। इन मौसम प्रणालियों के असर से लगातार आ रही नमी से प्रदेश के विभिन्न शहरों में वर्षा हो रही है। पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में आंध्रा के पास हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बनने जा रहा है। इसके मंगलवार को कम दबाव के क्षेत्र में बदलने की उम्मीद है। उसके असर से प्रदेश में मानसून की गतिविधियों में और तेजी आने के आसार हैं। प्रदेश के नीमच, रतलाम, इंदौर, बुराहनपुर जिलों में सामान्य से 60 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है। वहीं श्योपुर, भिंड,उज्जैन, आगर-मालवा,राजगढ,शाजापुर, देवास,सीहोर, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, नरसिंगपुर, सिवनी में सामान्य से 20 से 59 प्रतिशत अधिक वर्षा और मुरैना, ग्वालियर,शिवपुरी, गुना, विदिशा, सागर,भोपाल, रायसेन, नर्मदापुरम, छतरपुर सामान्य वर्षा हो चुकी है।

मध्य प्रदेश में वर्षा के चार सिस्टम सक्रिय

उत्साह

28 हजार से ज्यादा युवाओं ने पंजीयन कराया

राज्य ई-स्पोर्टस जूनियर चैम्पियनशिप अब 1 से 10 अगस्त तक

भोपाल, यशभारत। प्रदेश में देश के पहले ई-स्पोर्टस अकादमी के टेलेंट सर्च के लिये होने वाले ई-स्पोर्टस जूनियर चेंपियनशिप में युवाओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक लगभग 28 हजार से ज्यादा युवाओं ने पंजीयन कराया है। यह चेंपियनशिप 1 से 10 अगस्त तक होगी। युवाओं का उत्साह देखते हुए विभाग द्वारा पंजीयन की अंतिम तिथि को 25 जुलाई से ब?ा कर 27 जुलाई कर दिया गया है।युवा ई-स्पोर्टस एथीलिटों को इस चेंपियनशिप में उनकी रेंकिंग के आधार पर अकादमी में प्रवेश मिलेगा। प्रदेश के युवाओं के लिये 80 प्रतिशत सीट तथा राज्य के बाहर के युवाओं के लिये 20 प्रतिशत सीट निर्धारित है। चयनित युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले गेम्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अकादमी में युवा ई-स्पोर्टस एथलीट को चेंपियन गेमर्स बनने के प्रशिक्षण के साथ ही कंटेन्ट क्रिएटर, कास्टर्स, टूर्नामेंट ऑपरेटर्स, कोडर्स, डाटा एनालिस्ट, गेम डेव्हलपर्स आदि के रूप में केरियर बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

खेल और युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में प्रदेश में युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप ही नीतियाँ बनाई गई हैं। भारत लगभग 630 मिलियन गेमर्स के साथ वैश्विक रूप से ई-स्पोर्टस पॉवर हाउस बनने के लिये तैयार है। प्रदेश में स्थापित होने वाली देश की पहली अकादमी होगी, जिसमें युवाओं को विभिन्न गेमिंग के प्रशिक्षण के साथ शिक्षा भी दी जाएगी। इससे युवा न सिर्फ पदक जीतकर प्रदेश और देश का नाम रौशन करेंगे बल्कि वे अपना पेशेवर केरियर भी बना सकेंगे।

चेंपियनशिप का प्रारूप

ई-स्पोर्टस जूनियर चेंपियनशिप में 12 से 17 वर्ष के युवा ड्डह्लह्.द्य4/द्बश्चशश्चद्गठ्ठद्धद्दद्बह्यह्लह्ड्ड-ह्लद्बश्ठ्ठह्य लिंक पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। युवा 2 केटेगरी में ओपन और प्रोफेशनल में सहभागिता कर सकते हैं। युवा टीम के रूप में अथवा व्यक्तिगत स्पर्धा के लिये अपना पंजीयन करा सकते हैं। युवाओं को एसएमएस अथवा व्हाटसएप पर पंजीयन की जानकारी दी जाएगी। व्यक्तिगत पंजीकृत युवाओं को समूह में तथा टीम को स्वतंत्र एंट्री दी जाएगी। अकादमी के चयनित खिलाड़ियों का नाम चेंपियनशिप खत्म होने के 2 सप्ताह के बाद घोषित किया जाएगा।

» न्यूज गैलरी

निःशुल्क दंत एवं परीक्षण शिविर का आयोजन

पनागर,यशभारत। शासकीय कला महाविद्यालय पनागर में स्कायर और मनिल मल्टी स्पेशियलिटी डेंटल क्लीनिक मदन महल, जबलपुर (म.प्र.) के सहयोग से एक दिवसीय निःशुल्क दंत परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में महाविद्यालय के विद्यार्थियों/ अधिकारी/कर्मचारियों व ग्राम वासियों ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम से अपने दांतो का परीक्षण कराया तथा दांतों को अधिक स्वस्थ्य और मजबूत कैसे रखा जाय। इस संबंध में जानकारी प्राप्त की।डॉ. ओलिव कपाडिया एवं डॉ. अंकिता राय द्वारा बताया गया है कि दांतों का हमारे शरीर में महत्वपूर्ण स्थान है। हमें नियमित रूप से दिन में दो बार दांतों की सफाई करनी चाहिए। तम्बाकू आदि का सेवन नहीं करना चाहिए, इससे हमारे दांत खराब हो जाते है। हमें अपने खान-पान में नियमित रूप से कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों को सम्मिलित करना चाहिए। जिससे हमारे दांत स्वस्थ रहे और हमारे चेहरे पर मुस्कान बनी रहे। शिविर का आयोजन महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा किया गया।

राममिलन यादव सचिव संघ के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

सिहोरा , यश भारत। गत दिवस जबलपुर जिले के ब्लाक सिहोरा, मझौली, पनागर, शाहपुरा, कुंडम, जबलपुर ,पाटन के समस्त ग्राम पंचायत के सचिवों ने एक बैठक कर महाकौशल अंचल से सिहोरा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत भाटादौन के सचिव राममिलन यादव को सर्वसम्मति से पंचायत सचिव संगठन का मध्यप्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है इनकी नियुक्ति पर समस्त सचिवों ने हर्ष व्यक्त किया है।

मेहंदी अलम ताजियों का आज निकलेगा जुलूस

गाडरवारा(यशभारत) मुस्लिम समुदाय द्वारा आज मोहर्रम की 7 तारीख को मेहंदी कुर्सी ताजिए आलम का जुलूस नया बस स्टैंड बावली अखाड़े से दोपहर 4 बजे करीब निकाला जाएगा, जो शास्त्री वार्ड, गणेश मंदिर, चौकी, चावड़ी, महावीर भवन, शक्ति चौक, श्याम टॉकीज मार्ग, शिवालय चौक , झंडा चौक, गणेश मंदिर वाली गली से वापस अपने मुकाम पर पहुंचेगा । मेहंदी, कुर्सी ताजिया, अलम को अकीदत के साथ निकाला जाता है ताजिए के सामने लोग लोबान अगरबत्ती जलाकर जगह जगह नियाज फातिहा करते हैं और कई स्थानों पर लंगर शरबत भी तकसीम किया जाता है । रात्रि के समय कुछ सवारियां बाबाओं की आमद के साथ शहीदी धुन पर नगर में रन करने निकलेंगी ।इमामबाड़ों व दरगाह पर चादर संदल पेश किए जाएंगे । बड़े बली इमामबाड़ा, मुकरबा शरीफ, बावली अखाड़ा, गरीब नवाज चौकी, बारह भाई इमामबाड़ा, जबरन देवी दरबार, शक्ति चौक पर लगे हुसैनी परचम सहित नगर के और भी इमामबाड़ों में मजमा लगा रहेगा ।

बारिश के इंतजार में किसान -सावन में रूठे बदरा, सूख रही धान

बेलखाडू यशभारत । किसानों का बारिश का इंतजार थमने का नाम नहीं ले रहा है। सावन के महीने में भी बादल आसमान में खूब उमड़-घुमड़ तो रहे हैं, लेकिन जमकर बरस नहीं रहे। इससे खेतों की प्यास नहीं बुझ पा रही है। वह पानी के लिए तरस रहे हैं।सूरज की तल्खी के चलते तापमान बढ़ता जा रहा है, जिससे भीषण गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान कर रखा है।

बारिश के चलते चहकती-महकती हरियाली एवं खुशनुमा प्राकृतिक वातावरण का सुखद अहसास कराने वाला सावन मास सूखा ही साबित हो रहा है। उमस भरी चिप चिपी गर्मी से हर कोई पसीना-पसीना हो रहा है।

सावन में इस बार कम हुई बारिश

सावन में भी अब तक बारिश न होने से क्षेत्र के किसान चिंतित हैं। बुजुर्ग किसानों का मानना है कि सावन में ऐसा मौसम पहली बार देखा जा रहा है। जहां नहर है वहां के खेतों को तो ठीक है बाकी जगह पर जहां नहर एवं अन्य संसाधनों के ना होने के कारण अगर एक सप्ताह के भीतर अच्छी बरसात नहीं हुई तो धान की नर्सरी और धान का रोपा सूख जाएगी क्योंकि पानी ना मिलने से अभी खेतों में दरारें आ गई है और धान का पौधा पीला पडने लगा ।

धान का उत्पादन किसानों के लिए फायदेमंद होता है

बेलखाडू एवं आस पास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर किसान धान की खेती से जुड़े हुए हैं। खरीफ की फसल में धान का उत्पादन किसानों के लिए फायदेमंद होता है। इस बार धान की फसल किसानों के लिए मुश्किल बन गई है। ये मुश्किल जुलाई में मानसून की बेरुखी से आई है। ऐसे में धान की फसल में लागत बढ़ने के साथ ही उत्पादन प्रभावित होने की भी आशंका बढ़ती जा रही है। अगर पर्याप्त बारिश नहीं हुई तो एक ओर सिंचाई का खर्च बढ़ेगा तो वहीं दूसरी ओर उत्पादन भी प्रभावित होगा

क्या कहते हैं किसान

मानसून की शुरुआत हुई तो बारिश अच्छी हुई लेकिन अब हाल यह है कि करीब 15 दिन से बारिश नहीं हो रही जिसके लिए किसान चिंतित है

नीलेश पटेल ग्राम कैथरा

बारिश ना होने से वाटर लेवल भी कम हो रहा है जैसे तैसे कुछ पानी नलकूप से खेतों में चला लेते हैं लेकिन बारिश ना होने से फसल को नुकसान ही हो रहा है

अभिषेक पटेल ग्राम रोझा

बारिश ना होने से कुछ धान का रोपा तो लग गया है लेकिन कुछ धान की नर्सरी अभी भी जस के तस लगी हुई है पानी ना गिरने से धान का रोपा भी नहीं लगा पा रहे हैं

संतोष साहू ग्राम बेलखाडू

तेज धूप और उमस भरी गर्मी से जहां लोग परेशान हैं वही खेतों में पानी ना मिलने के कारण धान सूख रही हैं खेतों में दरार आ गई हैं कुछ दिन और अगर पानी नहीं गिरा तो धान की फसल सूख जाएगी

संदीप यादव ग्राम भमका

फसल सूखने की कगार पर

ट्रांसफार्मर से आईल चोरी होने का मामला

जिम्मेदार बने बेपरवाह अभी तक नहीं हुई खानापूर्ति मुरझा रही फसल

गोसलपुर, यशभारत। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सिहोरा डिवीजन के अंतर्गत संचालित विद्युत वितरण केंद्र गोसलपुर के लखनपुर फीडर के तहत घोरीकोनी एवं धरमपुरा हार में स्थित कृषि क्षेत्र के तीन ट्रांसफार्मर से पिछले सप्ताह अज्ञात चोरों द्वारा ट्रांसफार्मर से आईल चुरा लिया गया था जिसकी लिखित शिकायत कनिष्ठ यंत्री द्वारा पुलिस थाना गोसलपुर में की गई उक्त मामले की जांच की गई जांच उपरांत भी विद्युत मंडल के अधिकारियों द्वारा हफ्ता गुजर जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर मे न तो आईल डाला गया और न ही नया ट्रांसफार्मर लगाने के कोई प्रयास किये गये इन तीनों ट्रांसफार्मर से लगभग चार दर्जन किसानों के कृषि विद्युत कनेक्शन संचालित होते थे परंतु तीनों ट्रांसफार्मर खराब पड़े होने के कारण किसानों के खेतों में लगा धान का रोपा ट्यूबवेल बोर बंद होने के कारण किसानों द्वारा खून पसीने से की गई मेहनत से लगाया गया धान का रोपा मुरझाने लगा है वहीं खेतों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी है अधिकारियों की लापरवाही के कारण किसान बेबश और लाचार नजर आ रहे हैं किसानों द्वारा भी स्वयं इस मामले में थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई गई थी स्मरण रहे की ट्रांसफार्मर से आईल चोरी होने के बाद उक्त मामले की सूचना विद्युत अमले द्वारा स्थानीय पुलिस प्रशासन को दी जाती है प्राप्त आवेदन के आधार पर पुलिस द्वारा जांच उपरांत एफआईआर दर्ज कर विद्युत अमले को प्रदान की जाती है उसी के आधार पर संबंधित विद्युत मंडल के अधिकारियों द्वारा ट्रांसफार्मर आईल प्राप्त करने का प्रस्ताव बनाकर जिला मुख्यालय भेजा जाता है जब ट्रांसफार्मर में आईल मिलता है यह सब प्रक्रिया एक से दो दिन की रहती है लापरवाही के कारण स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है बिघुत मंडल के कर्मचारी पुलिस प्रशासन पर दोष मढ रहे हैं और स्थानीय पुलिस प्रशासन का कहना है की शिकायत की विवेचना कर ईएफआईआर दर्ज कर दी गई है क्षेत्र के किसान बृज किशोर यादव हरनाम पटेल प्रदीप साहू चन्नीलाल साहू कैलाश गोटिया लखन साहू पुरुषोत्तम लटोरी साहू भारत दुबे ने शीघ्र ही विद्युत मंडल के अधिकारियों से इस ओर ध्यान देने की मांग की है।

इनका कहना है.....

ट्रांसफार्मर से आईल चोरी की शिकायत पुलिस थाना गोसललपुर में कर दी गई है विवेचना उपरांत ईएफआईआर की कापी प्राप्त नहीं हुई थी इस कारण बिलंब हुआ है शीघ्र ही ट्रांसफार्मर लगवा दिया जावेगा

जसवंत सिंह चौधरी
सहायक यंत्री सिहोरा

जनसुनवाई में आये 134 आवेदन

नरसिंहपुर यशभारत। कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के जनसुनवाई हाल में मंगलवार 25 जुलाई को जिले के विभिन्न स्थानों से पहुंचे लोगों ने अपर कलेक्टर दीपक कुमार वैद्य को अपनी समस्यायें बताई। लोगों ने अपने. अपने आवेदन दिये। अपर कलेक्टर ने लोगों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवेदनों के समय-सीमा में निराकरण के निर्देश दिये। विभिन्न आवेदनों का मौके पर भी निराकरण किया गया। कलेक्ट्रेट में हुई जनसुनवाई में 134 आवेदन आये।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर यशभारत। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आगामी मोहर्रम त्यौहार मनाने के संबंध में अपर कलेक्टर दीपक कुमार वैद्य की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। अपर कलेक्टर ने शांति समिति के सदस्यों से आगामी त्यौहारों के मद्देनजर व्यवस्थाओं के लिए सुझाव लिये। उन्होंने कहा कि पहले की तरह जिला प्रशासन द्वारा त्यौहारों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें की जायेंगी। साथ ही सदस्यों के सुझाव के आधार पर भी आवश्यक व्यवस्थायें की जायेंगी। बैठक में मोहर्रम का त्यौहार जिले की गौरवशाली परम्परा के अनुरूप आपसी सदभाव एवं भाईचारे के साथ मनाये जाने की बात कही गई। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार शिवहरे, सुनील कोठारी, महंत प्रीतमपुरी गोस्वामी, मनमोहन सिंह, अब्दुल हकीम खान, मो. शब्बीर उस्मानी, विनय जैन, सईद खाद, मो. हुसैन पठान, हाफिज मो.इमाम साबरी सहित शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

सड़कों पर मवेशियों का डेरा

रोज घट रही सड़क दुर्घटनाएं

काल के गाल मे समा रहे मवेशी

गोसलपुर, यशभारत। सड़कों पर लावारिस घूमते मूक मवेशियों को आश्रय देने के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा गांव गांव गौशाला तो बनवा दी गई हैं और उनका संचालन भी प्रारंभ कर दिया गया गौशाला का संचालन करने का मकसद यही था की जो मवेशी सड़कों पर आवारा घूमते बैठते हैं आए दिन मौत के गाल में समाते हैं इनके कारण सड़क दुर्घटनाए भी घटित होती है इन सब पर रोक लगाने हेतु गौशाला का निर्माण सरकार के सहयोग से किया गया था की इन्हें आश्रय मिलेगा परंतु सरकार की यह मंशा पर पानी फिर रहा है आज भी राष्ट्रीय राजमार्ग व ग्रामीण सडको पर आवारा मवेशियों का झुंड बैठे नजर आते हैं जो की राहगीरों के लिए परेशानी का सबब तो बनते ही है साथ ही बड़ी दुर्घटनाएं भी इन चौपायो के कारण घटित होती है जिसमें या तो वाहन चालक मौत के गाल में समा जाते हैं या यह फिर मवेशी ऐसे हादसे रोज घटित हो रहे है दूसरी ओर मध्यप्रदेश शासन के राज्यपाल द्वारा राजपत्र भी प्रकाशित कर आवारा मवेशियों को छोड़ने

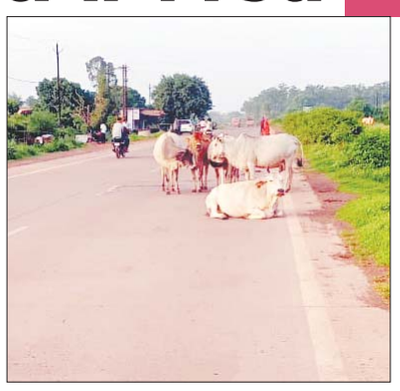

औचित्य हीन साबित हो रही गौशाला

वाले पशुपालकों के खिलाफ कार्यवाही करने का अधिकार पुलिस को दिया गया है परंतु यह आदेश कागजों तक सीमित रह गया हम बात करें गांधीग्राम से लेकर सिहोरा तक के बीच मे रामपुर वरनू तिराहा स्टेशन तिराहा शंकर कॉलोनी गोसलपुर कछपुरा जुझारी मोहतरा घाट सिमरिया की सड़कों पर शाम होते ही ये मवेशी समूह बनाकर बैठे रहते है बारिश के मौसम में मवेशी अपने आप को मच्छर मकखी से बचाने साफ-सुथरी हाइवे की सडको पर बैठते हैं रात्रि कालीन समय पर घुप्प अंधेरे के कारण वाहन चालकों को सामने न दिखने के कारण बड़ी-बड़ी सड़क घटनाएं घटित होती रहती है

क्षेत्रीय जन दीपक खटीक बिहारी रजक बलराम पटेल सत्यनारायण झारिया भुवनेश्वर नेमा हरीश पालीवाल बल्लू सोनी देवू राय गणेश राय का कहना है की जहा एक ओर एन.एच 30 पर 1033 पेट्रोलिग वाहन दिन भर घूमता रहता है परंतु उस वाहन पर तैनात कर्मचारियों द्वारा सड़कों पर बैठे मवेशियों को नहीं भगाया जाता जो भीषण सड़क दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं क्षेत्रीय सरपंच राधा चौरसिया प्रतीक्षा असाटी संजय सिंह ठाकुर गिरिजा पालीवाल देवेंद्र पटेल केशव चौबे नमन चौबे प्रदीप चौबे ने पशुपालकों से अपने मवेशियों को आवारा न छोड़ने की अपील की है।

मनमर्जी से संचालित हो रही है इजीएस पुरवाटोला शाला

बरेला, यशभारत ।शासन द्वारा विद्यालयों के संचालन के लिए नियम तय किए गए हैं तथा विद्यालय में शासन के नियमानुसार ही कक्षाएं संचालित होनी चाहिए किंतु बम्हनी ग्राम पंचायत के अंतर्गत ईजीएस पुरवाटोला शाला में कक्षाएं शिक्षकों की मनमर्जी से संचालित हो रही हैं।यहां पर पदस्थ प्रभारी शिक्षक मनमर्जी से विद्यालय आती जाती हैं तथा यहां पर बच्चों से विद्यालय की सफाई एवं लैट्रिन बाथरूम भी साफ करवाए जाते हैं जिसके कारण बच्चों का शैक्षणिक विकास ही नहीं हो पा रहा है।उक्त आशय की शिकायत जनपद शिक्षा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर साहू ने जिला शिक्षा अधिकारी को प्रेषित की है। शिकायत में जनपद सदस्य रामेश्वर साहू ने बताया है कि विद्यालय में पदस्थ प्रभारी प्रधानाध्यापिका सविता शेवड़े शाला के बंद होने के पूर्व ही. विद्यालय छोड़ देती हैं जिसके कारण इस विद्यालय का लाभ आदिवासी बच्चों को नहीं मिल पा रहा है। ग्राम पंचायत बम्हनी सरपंच श्रीमती वर्षा झारिया, जिला पंचायत सदस्य रानू साहू सहित ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधिकारी से इस विद्यालय का निरीक्षण कर शिक्षकों पर कार्यवाही की मांग की है।

सिहोरा में लाल मुंह के बंदरों का आतंक

सिहोरा , यशभारत। नगर में इस समय लाल मुंह के बंदरों का भीषण आतंक है और वे छोटे छोटे बच्चों को निशाना बना रहे हैं और प्रशासनिक अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि ध्यान नही दे रहे हैं जिससे इनका हौसला दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा।

वो वार्डो में सबसे ज्यादा आतंक

उक्त बंदरों का आतंक नगर के वार्ड नंबर 4 एवं वार्ड क्रमांक 7 झंडा बाजार,गढ़िया मोहल्ला एवं कटरा मोहल्ला सहित अन्य क्षेत्रों में बंदरों का सबसे ज्यादा आतंक है। महिलाएं छोटे बच्चों में इनका इतना खौप है कि कोई भी डर के कारण अपने घरो की छत पर नहीं जा रहे हैं। वार्ड के आशीष यादव सहित अनेक लोगों ने बताया कि विगत 6 माह पहले उन्होंने नगर पालिका को बंदर पकड़वाने के लिए आवेदन दिया था लेकिन अभी तक कोई भी कार्यवाही नहीं हुई है बंदर अभी तक अनेक लोगों को घायल कर चुके है अभी गत दिवस एक मासूम बच्चा राज यादव को पैर में काट कर घायल कर दिया था जिसे जख्मी हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया था जिसका इलाज जारी है ।

तो वार्डवासी करेंगे आन्दोलन?

वार्ड के निवासियों का कहना है कि प्रशासन एंव नगर पालिका को समय रहते बंदर पकड़वाने वाली टीम को बुलवाना चाहिए जिससे आने वाले समय में गंभीर घटना को रोका जा सके।साथ ही यह भी कहना है कि अगर शीघ्र ही इस समस्या का निदान नही होता तो वार्ड वासी आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे। इससे पहले भी एक खतरनाक सांड से शहर के लोग परेशान थे। नगर पालिका से मांग की गई है कि वो आवारा पशु,खतरनाक कुत्तों एवं बंदरों से मानव जीवन की रक्षा करें।

अग्निवीर वायु सेना भर्ती ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 27 से प्रारंभ

नरसिंहपुर यशभारत। भारतीय वायुसेना द्वारा अग्निवीर वायु सेना भर्ती का आयोजन ऑनलाइन किया जायेगा। इसमें प्रदेश के महिला एवं पुरूष दोनों अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों की उम्र 27 जून 2003 से 27 दिसम्बर 2006 के मध्य होनी चाहिये। अभ्यर्थियों का ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 27 जुलाई को प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा और ऑनलाइन परीक्षा 13 अक्टूबर 2023 से प्रारंभ होगी। अधिकारी के लिए भारतीय वायुसेना द्वारा अग्निवीर वायु सेना भर्ती की वेबसाइट पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं। यह जानकारी जिला रोजगार अधिकारी नरसिंहपुर ने दी है।

विवेक के परिवार ने लगाई न्याय की गुहार

गाडरवारा(यशभारत)विवेक सेन की श्रद्धांजली सभा मे सामजिक जनो व समाजसेवियो ने पहुंचकर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घटना की निंदा की एवं बताया कि विवेक की हत्या 13जुलाई को दिन दहाड़े शक्कर नदी पुल पर हुई थी लेकिन हत्या की गुत्थी आज तक पुलिस सुलझाने मे असमर्थ रही मृतक युवक के नाना गोविन्द श्रीवास व मामा विनोद श्रीवास ने कहा कि हमे पुलिस व नेताओं से सिर्फ आश्वासन मिल रहा है हमे सिर्फ जल्द से जल्द न्याय मिल जाए और आरोपी सलाखो के पीछे पहुंच जाए यह हमारी प्राथमिकता है मुआवजा या कोई राशि हमारे बेटे से बढ़कर नही है मुख्यमंत्री के आगमन के पूर्व से आगमन तक पुलिस प्रशासन के लोग हमारे आसपास ही बने रहे व मुख्यमंत्री से मिलवाने के नाम पर नेताओ की मिलीभगत से भी हमे हेलीपेड पर ले जाकर सिर्फ गुमराह करते रहे एवं मुख्यमंत्री के जाने के उपरान्त इस मामले को पुलिस ने ठंडे बसते मे डाल दिया वही संयुक्त किसान मोर्चा के बिरजू कौरव व संजय पटेल ने कहा कि मृतक के परिजनों को सहायता राशि देकर इस मामले की इतिश्री करने की कोशिश की गई लेकिन हत्यारे अभी तक नहीं पकड़े गए आज भी पीड़ित परिवार न्याय की आस लगाए हुए

हैं । गाडरवारा नगर काफी सुरक्षित और शांत वातावरण का शहर रहा है इस तरह कि घटना दिन दहाड़े घटित हो जाने से भय का वातावरण पैदा हो गया है जिले का प्रशासन ये न समझे कि मुख्यमंत्री आकर चले गये तो मामला खत्म हो गया अगर 8 दिवस के अंदर अगर आरोपी नही पकड़े जाते तो उग्र आंदोलन किया जायेगा और उक्त अवसर पर सेन समाज के पदाधिकारियों मे गाडरवाड़ा से कमलेश सेन, नेतराम श्रीवास, साईखेड़ा से संतोष श्रीवास, उदयपुरा से प्रदीप श्रीवास उपस्थित रहे सभी ने शोक व्यक्त कर न्याय के लिए आंदोलन के रास्ते को अपनाने पर जोर दिया ।

सीखो कमाओं योजना का भरपूर लाभ उठायें छात्र छात्राएं : मरावी

सिहोरा , यशभारत। शासन के द्वारा चलाई जा रही महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना छात्र छात्राओं के साथ युवाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगी इस योजना का छात्र छात्राएं भरपूर लाभ उठाकर किसी भी कम्पनी में अच्छे पैकेज पर नौकरी पाकर अपने सपनो को पूरा करते हुए देश के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं । उक्ताशय के विचार शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित सीखो कमाओं योजना उन्मुखीकरण कार्यक्रम की कार्यशाला में नंदनी मरावी विधायक सिहोरा ने मुख्य अतिथि के रुप में व्यक्त किए। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक,उच्च शिक्षा जबलपुर संतोष जाटव की अध्यक्षता एंव कालेज की जनभागीदारी समिति अध्यक्ष तथा भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राजा मोर,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दिलीप दुबे,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रश्मि मनेंद्र अग्निहोत्री के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। महाविद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों का पुष्प गुच्छ एंव पुष्प हार से आत्मीय स्वागत किया।

नियमित रोजगार की योग्यता में वृद्धि कर सकते है

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जिला उद्योग केंद्र जबलपुर के महाप्रबंधक विनीत रजक ने

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना की विस्तृत जानकारी वीडियो के माध्यम से विद्यार्थियों तथा मंचासीन सदस्यों को प्रदान की। श्री रजक ने विद्यार्थियों को प्राप्त होने वाले स्टाइपेंड की जानकारी देते हुए बताया कि 12 वीं उत्तीर्ण युवाओं को रुपए 8000 आईटीआई उत्तीर्ण को 8500 डिप्लोमा उत्तीर्ण को रुपये 9000 एवं स्नातक तथा उच्च शिक्षित युवा को रुपए 10000 प्रतिमाह प्राप्त होगा। प्लेसमेंट ऑफिसर ललित डहेरिया ने योजना के संचालन की प्रक्रिया तथा पंजीकरण प्रक्रिया को सूक्ष्मता से विद्यार्थियों को समझाया।लाभार्थी अपना पंजीयन पोर्टल पर कर सकते हैं। जनभागीदारी अध्यक्ष तथा आयोजन के विशिष्ट अतिथि ने मध्यप्रदेश शासन की इस दूरगामी योजना के लाभ से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी नवीनतम तकनीक के माध्यम से उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण प्राप्त कर,नियमित रोजगार की योग्यता में वृद्धि कर सकते हैं ।

मुख्य अतिथि ने योजना की पात्रता तथा स्टाइपेंड की विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना का लाभ लेने हेतु लाभार्थी की उम्र 18 से 29 वर्ष वह मध्यप्रदेश का मूल निवासी हो तथा लाभार्थी 12 वीं पास या 12 वीं पास आईटीआई या उससे उच्च शिक्षा प्राप्त हो।कार्यक्रम की अध्यक्ष क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर डॉ श्रीमती संतोष जाटव ने विद्यार्थियों से कार्यशाला से संबंधित प्रश्न पूछे जिसका विद्यार्थियों ने जवाब दिया।।महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ नागेंद्र सिंह ने कार्यशाला के उपरांत आभार व्यक्त किया।

विभिन्न स्कूलों से पहुंचे विद्यार्थी

कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार के विद्यार्थियों के अलावा शासकीय लालचंद उच्चतर विद्यालय,पंडित विष्णु दत्त उच्चतर विद्यालय,सरस्वती शिशु मंदिर,मार्थोमा उच्चतर विद्यालय,शासकीय यशोदाबाई उच्चतर विद्यालय,मिस्पा मिशन उच्चतर विद्यालय,सालेम उच्चतर विद्यालय तथा सिहोरा खितौला के अन्य शासकीय तथा अशासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा शैक्षणिक स्टॉफ की उपस्थिति सराहनीय रही। मंच संचालन सहायक प्राध्यापक श्री जागेश्वर प्रजापति ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन संयोजक डॉ सुदेश मेहरोलिया के नेतृत्व में, समस्त शैक्षणिक तथा शैक्षणिक स्टाफ की उपस्थिति में किया गया।

इनकी रही उपस्थिति

योजना की कार्यशाला में जिला महामंत्री राजेश दाहिया, भाजयुमो जिलाध्यक्ष राजमणि सिंह बघेल,मंडल अध्यक्ष अंकित तिवारी,पार्षद अजय बेटू शर्मा,शारदा बर्मन,बेबी पाल, रीता शुक्ला,अभिषेक परौहा,सुबोध दुबे,बिनोद खत्री, माधव मिश्रा,शिशिर पांडे, प्रवीण कुररिया,अनुपम सराफ,विनय असाटी,राशी असाटी,आयूष सेठी,पलाश दुबे सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी एंव गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

करेली व गोटेगांव में जुंआ फड़ पर दबिश, आठ आरोपियों पर कार्रवाई

नरसिंहपुर यशभारत। नरसिंहपुर जिले में विशेष अभियान के तहत जुआफड़ पर कार्रवाई करते हुए कुल आठ आरोपियों पर कार्रवाई की गई। थाना गोटेगांव अंतर्गत 3 आरोपियों को पकड़ते हुए 17 हजार रूपए नगद जप्त किये गये। इसी तरह थाना करेली अंतर्गत 5 आरोपी से 10 हजार रूपए नगद, एक बोलेरो वाहन एवं एक मोटर साईकिल जप्त की गई। अभियान के तहत विभिन्न थाना क्षेत्रों में मुखबिर तंत्र को सक्रीय कर सूचना एकत्रित की जा रही है। इसी क्रम में सूचना प्राप्त हुयी कि थाना गोटेगांव क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुरदई हार नाला के पास कुछ लोग अवैध जुआ खेल रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी की गयी जिसके परिणाम स्वरूप आरोपी प्रकाश पिता दुल्लम सिंह पटेल उम्र 55 साल, निवासी ग्राम राखी, आनंद पिता विष्णू पटेल उम्र 20 वर्ष निवासी किसानी मोहल्ला गोटेगांव एवं अनु राय पिता अरविन्द राय उम्र 55 साल निवासी कामथ वार्ड गोटेगांव को पैसों का हारजीत का दाव लगाकर जुआ खेलते पकड़ा गया जिनके पास से 52 ताश पत्ते एवं 17 हजार रूपये नगद जप्त किए गए है। आरोपियों के विरूद्ध थाना गोटेगांव में 586/2023 धारा 13 जुआ एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक संपन्न

गोसलपुर, यशभारत। सिहोरा तहसील के अंतर्गत गोसलपुर कस्बे में स्थापित पुलिस थाना गोसलपुर प्रांगण में गत दिवस थाना प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस आदर्शकांत शुक्ला के द्वारा गोसलपुर बरनू तिराहा हृदयनगर धोराकोनी व आसपास के मुस्लिम समुदाय के संभ्रांत नागरिकों व कमेटियों के पदाधिकारियों की बैठक आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर थाना प्रांगण में बैठक आहूत की गई थाना प्रभारी द्वारा सभी

लोगों से शांति पूर्ण ढंग से पर्व को मनाने की अपील की गई साथ ही प्रशासन से प्राप्त दिशा निर्देशों से कमेटी के पदाधिकारियों को अवगत कराया गया बैठक मे मुस्लिम समुदाय के पदाधिकारियों ने सुझाव दिए गए इस मौके पर एसआई अनिल मिश्रा सत्येंद्र बिसेन संदीप शर्मा के साथ कमेटी के पदाधिकारी अकरम मालगुजार लायक खान अजीम खान मोहम्मद अकरम मोहम्मद माजिद मोहम्मद नदीम शहजाद कुरैशी कयूम शाह जाफर खान राजू खान एडवोकेट मोहम्मद निसार सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

MS Dhoni का 11 साल पुराना जॉब लेटर हुआ वायरल, सैलरी जान हैरान रह जाएंगे आप

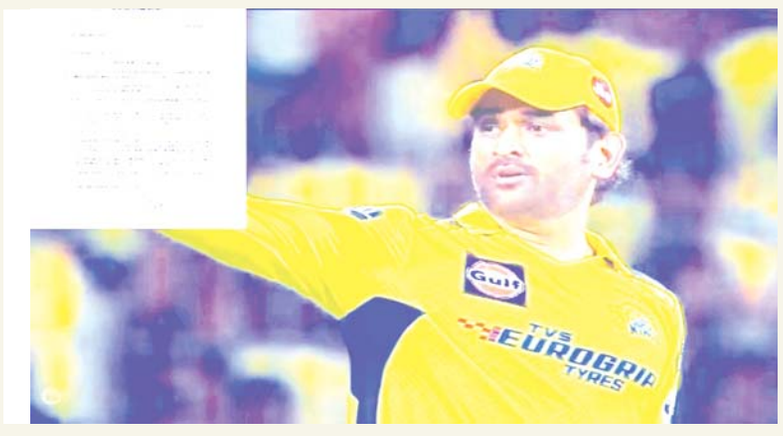

नई दिल्ली, एजेंसी। एमएस धोनी की आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स की मालिक कंपनी इंडिया सीमेंट्स ने साल 2012 में उन्हें 43,000 रुपये प्रति माह की नौकरी की पेशकश की गई थी, उसी साल उन्हें 8.82 करोड़ रुपये में रिटेन किया था.भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी दुनिया में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले क्रिकेटरों में से एक भी. धोनी की नेट वर्थ फिलहाल 127 मिलियर डॉलर यानि कि 1040 करोड़ रुपये है. हालांकि धोनी का 11 साल पुराना ऑफर लेटर वायरल होने के बाद फैंस पूर्व कप्तान की सैलरी जानकर हैरान रह गए हैं. वनडे डेब्यू मैच में शून्य पर आउट हुए ये स्टार भारतीय बल्लेबाज, नाम जानकर हैरान रह जाएंगे फैंस वनडे डेब्यू मैच में शून्य पर आउट हुए ये स्टार भारतीय बल्लेबाज, नाम जानकर हैरान रह जाएंगे फैंस को पीछे छोड़ भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 5वें बल्लेबाज बने रोहित शर्मा साल 2008 में इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान बने धोनी आज तक इसी फ्रेंचाइजी के लिए खेल रहे है. धोनी को सीएसके हर साल करोड़ों में रीटेन करती है. इस बीच इंडिया सीमेंट्स ने साल 2012 में उन्हें उपाध्यक्ष पद पर नौकरी की पेशकश की थी, जिसका ऑफर लेटर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

धोनी के फैंक के लिए आश्चर्य की बात यह है कि इस नौकरी के लिए महान खिलाड़ी को केवल 43,000 रुपये का वेतन दिया गया था. लेटर के मुताबिक धोनी को जुलाई 2012 में चेन्नई में इंडिया सीमेंट्स के मुख्य कार्यालय में उपाध्यक्ष की नौकरी की पेशकश की गई थी. ऑफर लेटर में कहा गया है कि उनका मासिक वेतन 43,000 रुपये था, जिसमें 21,970 रुपये का महंगाई भत्ता और 20,000 रुपये का विशेष वेतन था।

इस ऑफर लेटर में ये भी लिखा है कि चेन्नई में रहते हुए धोनी को 20,400 का हाउस रेंट अलाउंस मिलेगा. अगर वो चेन्नई में हों तो हर महीने 8,400 रुपए और अगर बाहर हैं तो हर महीने 8,000 रुपए का स्पेशल एचआरए. साथ ही उन्हें हर महीने 60,000 रुपये का विशेष भत्ता और शिक्षा/समाचार पत्र का खर्च रु. 175 भी मिलेगी।

गौरतलब है कि इंडिया सीमेंट्स अरबपति एन श्रीनिवासन की कंपनी है, जो एमएस धोनी की आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक हैं. जिस साल एमएस धोनी को 43,000 रुपये प्रति माह की नौकरी की पेशकश की गई थी, उसी साल सीएसके ने उन्हें 8.82 करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ये लेटर साल 2017 में पूर्व आईपीएल प्रमुख ललित मोदी द्वारा अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया गया था, जिन्हें भ्रष्टाचार के आरोप में आईसीसी और बीसीसीआई द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया है.

पाकिस्तान की बिस्माह मारूफ़ ने बेटी की खातिर एशियाई खेलों से नाम वापस लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बताया कि एशियाई खेलों के दौरान पाक टीम को बिस्माह माहरुफ की सेवाएं नहीं मिलेंगी. बिस्माह मारूफ आयशा नसीम के समय से पहले संन्यास के बाद पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम को एक और झटका लगा जब पूर्व कप्तान बिस्माह माहरूफ 'बच्चों के साथ यात्रा नहीं करने' की एशियाई खेलों की नीति के कारण इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता से हट गईं. पाकिस्तान ने इस तरह आगामी खेलों के लिए अपनी दो शीर्ष खिलाड़ियों को गंवा दिया।

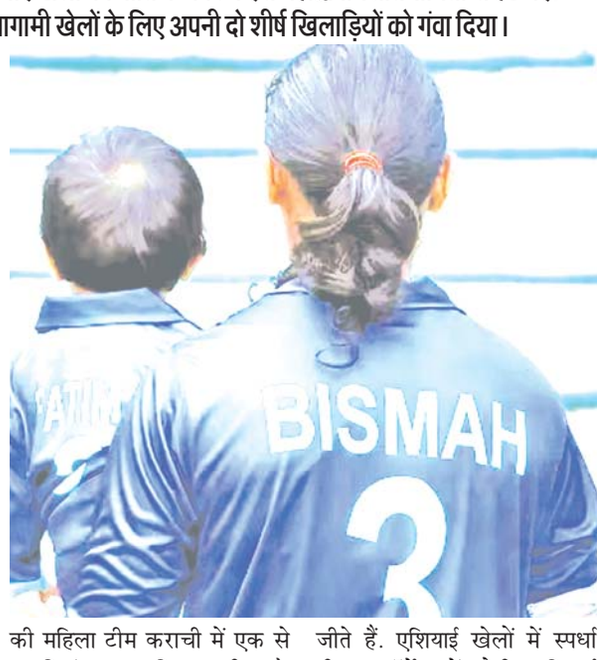

मिस्बाह-उल हक की पाकिस्तान क्रिकेट में फिर से एंट्री, इस बार मिली नई जिम्मेदारी दूसरा टेस्ट ड्रॉ होने से टीम इंडिया से छिनी नंबर-1 की कुर्सी, टॉप पर पहुंचा पड़ोसी पाकिस्तान क्या 18 साल की उम्र में पाकिस्तानी क्रिकेटर आयशा नसीम ने ले लिया है रिटायरमेंट जानें पूरा मामला आयोजकों ने प्रतिभागी देशों के खिलाड़ियों को खेलों के लिए अपने बच्चों के साथ यात्रा करने की स्वीकृति देने से इनकार कर दिया है जिसके बाद बिस्माह ने एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया.

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के महिला क्रिकेट सेल की प्रमुख तानिया मलिक ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि टीम को एशियाई खेलों में बिस्माह की सेवाएं नहीं मिलेंगी. तानिया ने पुष्टि की कि बिस्माह को टीम में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि वह नियमों के काण खेल गांव में अपनी बेटी के साथ नहीं जा पाएंगी. इससे पहले 18 साल की ऑलराउंडर आयशा ने पीसीबी के सूचित किया कि वह निजी कारणों से क्रिकेट छोड़ रही हैं. एशियाई खेलों से पहले पाकिस्तान की महिला टीम कराची में एक से 14 सितंबर तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और इतने ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय (आईसीसी महिला चैंपियनशिप 2022-25 का हिस्सा) मैच खेलेगी. पाकिस्तान ने 2010 में चीन के ग्वांगझू और 2014 में दक्षिण कोरिया के इंचियोन में पिछले दो एशियाई खेलों में महिला क्रिकेट में स्वर्ण पदक जीते हैं. एशियाई खेलों में स्पर्धा टी20 फॉर्मेट में होगी. एशियाई खेलों के लिए पाकिस्तान महिला टीम- निदा डार (कप्तान), आलिया रियाज, अनूशा नासिर, डायना बेग, फातिमा सना, मुनीबा अली, नाजिहा अल्वी, नाशरा संधू, नतालिया परवेज, ओमैमा सोहेल, सदफ शमास, शवाल जुल्फिकार, सिदरा अमीन, सैयदा अरूब शाह और उम्म-ए-हानी।

अगर अपने घर में उम्मीदों के दबाव से निपट पाई टीम इंडिया तो जीतेगी वर्ल्ड कप: कपिल देव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान कपिल देव ने कहा कि वर्ल्ड कप में भारत का प्रदर्शन इस बात पर निर्भर करेगा कि वह कैसे चारों तरफ से अपेक्षाओं के दबाव से निपटता है.भारत आईसीसी क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में खिताब के दावेदार के रूप में उतरेगा और पूर्व कप्तान कपिल देव ने मंगलवार को कहा कि मेजबान टीम को दोबारा ट्रॉफी जीतने के लिए उम्मीदों के बोझ से निपटना होगा. दो बार के चैंपियन भारत की नजरें पांच अक्टूबर से 19 नवंबर तक होने वाले टूर्नामेंट के दौरान 12 साल के इंतजार के बाद एक और आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप जीतने पर टिकी हैं.पोर्ट ऑफ स्पेन टेस्ट के बाद रोहित शर्मा को याद आई मुंबई, ट्विटर पर लिखी दिल की बात अब 5 महीने बाद टेस्ट क्रिकेट खेलेगी टीम इंडिया, जानें- क्या है आगे का शेड्यूल वेस्टइंडीज के खिलाफ रोहित-विराट के शतकों से खुश नहीं सुनील गावस्कर से पूछा- युवाओं को क्यों नहीं खिलाते कर्नाटक गोल्फ संघ के एक कार्यक्रम के इतर कपिल ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि क्या होगा! उन्होंने अब तक वर्ल्ड कप के लिए टीम की घोषणा भी नहीं की है. भारत हमेशा टूर्नामेंट में प्रबल दावेदार के रूप में उतरता है और ऐसा लंबे समय से है. उन्होंने कहा, 'यह इस पर निर्भर करता है कि टीम चारों तरफ से अपेक्षाओं के दबाव से कैसे निपटती है. हमने स्वदेश में वर्ल्ड कप जीता है और मुझे यकीन है कि टीम में चाहे किसी को भी चुना जाए वे दोबारा ऐसा कर सकते हैं. वर्ल्ड कप चार साल में होता है और मुझे उम्मीद है कि खिलाड़ी पूरी तरह से तैयार होंगे.' कपिल ने कहा कि इस समय क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए काम के बोझ और चोट प्रबंधन को महत्व दिया जाना चाहिए. वर्ल्ड कप 1983 जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान ने कहा, 'मेरा समय अलग था, हम बामुश्किल इतना क्रिकेट खेलते थे. ये खिलाड़ी अब 10 महीने क्रिकेट खेल रहे हैं. इसलिए चोटों से शरीर का प्रबंधन महत्वपूर्ण है. सभी का शरीर अलग होता है और फिटनेस बरकरार रखने के लिए उन्हें व्यक्तिगत योजनाओं की जरूरत होती है.' कपिल वेस्टइंडीज की उस टीम के खिलाफ खेले, जिसका वर्ल्ड क्रिकेट में दबदबा हुआ करता था और उन्होंने उम्मीद जताई कि टीम जल्द ही अपने पुराने गौरवपूर्ण दिन हासिल करेगी. उन्होंने कहा, 'यह देखकर दुख होता है कि वेस्टइंडीज वर्ल्ड कप नहीं खेल रहा है।

कौन है भारतीय महिला क्रिकेटर मिन्नू मणि जिनके नाम पर रेलवे स्टेशन का नाम रखा गया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम हाल में बांग्लादेश दौरे पर थी, जहां टीम ने टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम की जबकि वनडे सीरीज 1-1 से बराबरी रही. केरल की मिन्नू मणि को टी20 सीरीज से भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने का मौका मिला. नेशनल टीम में डेब्यू करने के बाद मणि को अपने होम टाउन में खास तोहफा मिला है. ये तोहफा उन्हें भारतीय रेलवे की तरफ से दिया गया है. केरल के वायनाड रेलवे स्टेशन का नाम मिन्नू मणि पर रख दिया गया है. वायनाड जंक्शन को अब मिन्नू मणि जंक्शन के नाम से जाना जाएगा.

आईपीएल फेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट के जरिए इसकी जानकारी दी है. दिल्ली कैपिटल्स ने फोटो शेयर करते हुए लिखा- केरल का वायनाड जंक्शन आपके सपनों को पूरा करने के लिए एक अनुस्मारक के रूप में काम करेगा। भारतीय टीम में जगह पाने और भारत बनाम बांग्लादेश टी20 में असाधारण प्रदर्शन करने के सम्मान में मिन्नु मणि को सरप्राइज दिया गया है.÷

कौन है मिन्नू मणि?

मिन्नू मणि का जन्म 24 मार्च 1999 को केरल के वायनाड जिले में हुआ. वह बाएं हाथ की बल्लेबाज हैं और ऑफ स्पिनर गेंदबाज भी. इसके अलावा वह शानदार फील्डर भी हैं. मिन्नु इस साल अंडर 23 वनडे चैलेंजर ट्रॉफी में इंडिया ब्लू की ओर खेल चुकी हैं. वह केरल एसोसिएशन की ओर से साल का जूनियर क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड्स भी जीत चुकी हैं.

शानदार रहा मिन्नू मणि का डेब्यू

मिन्नू को बांग्लादेश दौरे पर टी20 सीरीज के पहले मुकाबले से भारतीय टीम के डेब्यू करने का मौका मिला. उन्होंने अपने पहले ही मैच में कमाल की गेंदबाजी की. मिन्नू मणि ने अपने डेब्यू मैच में चार ओवर में केवल नौ रन खर्च किए और दो विकेट अपने नाम किया. उन्होंने टी20 सीरीज के दूसरे मैच में भी चार ओवर में 28 रन देकर दो विकेट चटकाए थे. उनके प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला टीम टी20 सीरीज जीतने में सफल रही थी.

शुरू में करना पड़ा काफी संघर्ष

मिन्नू की पारिवारिक जीवन काफी संघर्ष भरा रहा है. पिता के दिहाड़ी मजदूर होने के कारण उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी. वह अपने पिता के साथ खेतों में काम करती थीं और वहीं पर उन्होंने लड़कों के साथ क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया. लेकिन पिछले साल केरल में आई बाढ़ में उनका घर डूब गया. इसके बाद गांव वालों ने चंदा इकट्ठा करके उनका घर ठीक करवाया. मिन्नू ने इसके बाद तिरुवनंतपुरम में केरल क्रिकेट एसोसिएशन के ओपन ट्रायल में भाग लिया और वहां से वह भारतीय टीम में जगह बनाने कामयाब रहीं।

रंग संसार

पब्लिक के सामने हुई आलिया भट्ट की किरकिरी बोलते-बोलते बीच में ही भूल गईं बांग्ला लाइनें

मुंबई, एजेंसी। आगामी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में एक बंगाली लड़की का किरदार निभाने वाली आलिया भट्ट फिल्म को लेकर पूरी तरह तैयार हैं लेकिन कोलकाता में अपने प्रमोशन के दौरान अभिनेत्री अपनी याद की गई बांग्ला की लाइनें भूल गईं. मगर उन्होंने मंच पर इसे स्वीकार किया. आलिया ने इंस्टाग्राम पर कार्यक्रम के पर्दे के पीछे का वीडियो साझा किया, जिसमें वह कार्यक्रम से पहले ईमानदारी से अपनी बांग्ला पंक्तियों को याद करती नजर आ रही हैं. वह प्रशंसकों का अभिवादन करने के लिए मंच पर जाती हैं और कहती हैं,

नोमोश्कार कोलकाताज तोमादेर शोबै के और फिर वह लाइन भूल जाती हैं. आलिया आगे कहती हैं, मैं अपनी लाइनें भूल गई, मैंने रिहर्सल किया था. मुझे खेद है. मैं कल सुबह से ये पंक्तियां सीख रही हूं और यहां आके, आपका चेहरा देख के मैं भूल गई. लेकिन मैं चाहती थी कि बंगाली में आपका स्वागत करूं, इसलिए मैंने ऐसा किया. उन्हें चिढ़ाते हुए, सह अभिनेता रणवीर ने कहा, सो क्यूट यार, तू होमवर्क करके आई थी, परीक्षा के समय पर भूल गई. हालांकि, बाद में आलिया को बांग्ला में सभी पंक्तियां बोलते हुए देखा गया जब उन्होंने इवेंट में प्रशंसकों और मीडिया से बात की. 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' एक सिनेमाई असाधारण फिल्म होने का वादा करती है. फिल्म में धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन ने Male Feminist को लेकर बयां किया दर्द, कहा- ड्रग्स को लेकर पूछे गए अजीबोगरीब सवाल

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन ने इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई है. उनकी दमदार एक्टिंग को लेकर फैन फॉलोविंग की तगड़ी लिस्ट है. वहीं कल्कि ने हाल ही में एक शो 'द मेल फेमिनिस्ट' के इंटरव्यू में अपने टीनएज ईयर का एक्सपीरियंस शेयर किया है. एक्ट्रेस ने बताया कि उनकी रंगत को लेकर इंडिया के लोग मानते थे कि वो ड्रग्स लेती हैं, लेकिन जब उन्होंने ड्रग्स को लेकर पूछे जाने के सवाल पर तमिल में जवाब दिया तो पूछने वाले के होश उड़ गए. इसके आगे उन्होंने और भी बातें बताई हैं. साथ ही इस इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने ये भी बताया कि इंडिया में गोरा पैदा होने पर क्या प्रभाव पड़ता है और उनसे कई सवाल भी किए जाते है. कल्कि कोचलिन की ये खबर सोशल मीडिया पर ट्रेंड में है.

कैप्टन विक्रम बत्रा की शहादत के बाद डिंपल ने किसी और से नहीं की शादी, दिल छू लेने वाली है लव स्टोरी

जब फिल्म इंडस्ट्री में मनहूस कहने लगे थे लोग, जानें कहां हैं 'मोहब्बतें' के जुगल हंसराज?

मेल फेमिनिस्ट को लेकर कल्कि ने कही ये बात

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन से बातचीत के दौरान मेल फेमिनिस्ट के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने सिद्धार्थ आलमबायन से कहा कि मैं मेल फेमिनिस्ट को बहुत छोटी उम्र से देखती आई हूं, क्योंकि मैं अपने ग्रुप में अकेली गोरी लड़की थी और मेरे गोर होने के कारण मुझे हमेशा ड्रग्स को लेकर पूछा जाता था. साथ ही उनका सोचना था कि हर गोरी लड़की कैरेक्टर लेस होती है. एक्ट्रेस आगे बताती है कि ऐसे सवाल पर जैसे ही मैं तमिल में जवाब देती अचानक उनका आपके बारे में नजरिया बदल जाता. ये इसलिए होता क्योंकि आप उनकी भाषा में बात करते हैं. एक्ट्रेस का जन्म पांडिचेरी में हुआ था. बाद में ऊंटी में शिफ्ट हो गई थीं.

इन फिल्मों में कर चुकी हैं काम

कल्कि कोचलिन अपनी पढाई पूरी करके इंडिया वापस आने के बाद अनुराग कश्यप की फिल्म 'देव डी' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

आखिर क्यों इमरान हाशमी की इस ग्लैमरस हीरोइन को छोड़ना पड़ा बॉलीवुड

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड की ग्लैमरस और बोल्ड एक्ट्रेसेस में से एक उदिता गोस्वामी ने अपनी पहली ही फिल्म 'पाप' से इंडस्ट्री को बता दिया था कि कैमरे के सामने उनसे ज्यादा ओपन कोई नहीं है. एक तरफ जहां इंडस्ट्री में मल्लिका शेरावत की बोल्डनेस ने बवाल मचा रखा था, वहीं उदिता गोस्वामी उन्हें कड़ी टक्कर दे रही थीं. हालांकि फिल्मी दुनिया में उदिता गोस्वामी का करियर ज्यादा लंबा नहीं रहा, उन्होंने इमरान हाशमी जैसे बड़े स्टार्स के साथ स्क्रीन शेयर किया, लेकिन आज वो बड़े पर्दे पर बिल्कुल गायब हो चुकी हैं. उदिता गोस्वामी के अचानक बॉलीवुड से गायब होने के बाद उनके फैंस भी हैरान हैं, हर कोई यही पूछ रहा है कि आखिर क्यों उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली साल 2013 में एक्ट्रेस उदिता गोस्वामी ने फिल्म डायरेक्टर मोहित सूरी से शादी कर ली. उन्होंने अपने फिल्मी करियर से पहले मैरिज लाइफ को इंपोर्टेंस दी, जिससे वो धीरे-धीरे इंडस्ट्री से दूर होती गईं. कई एक्टर्स और एक्ट्रेसेस की तरह, उदिता गोस्वामी को भी अपने करियर के ग्रोथ के दौरान दमदार रोल पाने में संघर्ष करना पड़ा, अपने शुरुआती काम में मिली तारीफ के बावजूद, फिल्म इंडस्ट्री में तगड़ कॉम्पीटिशन के चलते उदिता अपनी अलग पहचान बनाने में काफी मुश्किल हुई।

स्मृति ईरानी ने कहा- बड़े होने के बाद पता चला लाइफ का सबसे मुश्किल पार्ट, वायरल हुआ पोस्ट

मुंबई, एजेंसी। पूर्व एक्ट्रेस और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अपने काम के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं. हाल ही में उन्होंने सोशल मीडिया पर बड़े होने को लेकर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसे पढ़कर कई यूजर्स की हंसी छूट गई. इसके साथ ही उनका लेटेस्ट मीम भी है, जिसे देख सोशल मीडिया यूजर्स चुटकी ले रहे हैं. स्मृति ईरानी ने अपने इंस्टाग्राम पर अडल्टहुड को लेकर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें लिखा था, कौन जानता था कि अडल्ट होने का सबसे कठिन हिस्सा ये पता लगाना है कि जब तक आप मर नहीं जाते, तब तक अपने पूरे जीवन भर हर रात रात के खाने में क्या पकाना है?

दरअसल, अपने पोस्ट के जरिए स्मृति ईरानी ने हर घर की उस महिला की कहानी बयां कि है, जो रात का खाना बनाने से पहले सोचती है कि क्या बनाया जाए. स्मृति ईरानी के इस पोस्ट से अब हाउस मेकर महिलाएं खुद से कनेक्ट कर रही हैं और कमेंट बॉक्स में अपना एक्सपीरिएंस और प्रतिक्रिया शेयर कर रही हैं. स्मृति की इंस्टाग्राम प्रोफाइल से उनकी निजी और प्रोफेशनल जिंदगी की झलक मिलती है और वो अपने हैंडल को लाइट और कूल रखना पसंद करती हैं. कभी-कभार प्रोफेशनल पोस्ट के अलावा, स्मृति अपने फैंस को अपनी निजी जिंदगी की झलक भी दिखाती हैं.

हाल ही में एक इंटरव्यू में स्मृति ने बताया कि कैसे वो अपने भगवान के साथ एकांत में समय बिताना पसंद करती हैं. उन्होंने कहा, 'मैं ध्यान करती हूं. मैं बहुत हाइपर इंसान हूं. अगर मैं कहूं कि मैं रोज ध्यान के लिए बैठती हूं तो यह झूठ होगा. मुझे ठीक-ठीक पता है कि मेरी आत्मा को कब एनर्जी देनी है. मेरा पूरा जीवन मेरे ईश्वर के साथ मेरी बातचीत का रहा है. जब मैं बिस्तर पर जाती हूं और उठती हूं तो भगवान को धन्यवाद देती हूं. इसलिए कि एक नयी सुबह और मैं अभी भी जिंदा हूं'. बता दें कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से स्मृति एक घरेलू स्टार बन गई और बाद में उन्होंने अपना राजनीतिक करियर बनाया।

» न्यूज गैलरी

पुराने विवाद के चलते पड़ोसियों में हुई मारपीट

जबलपुर। पड़ोसियों में आपसी विवाद के चलते मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार दूसरे पक्ष ने न केवल घर की महिला को पीटा, बल्कि 5 वर्षीय बच्चे को भी नहीं बख्शा और उसके साथ मारपीट करते हुए उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। मामला हनुमान ताल थाना क्षेत्र का है। मौके पर पहुंची पुलिस ने हंगामे को शांत कराया और दोनों पक्षों की शिकायत लेकर घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाते हुए मामले की जांच प्रारंभ कर दी है, पूरे मामले की जानकारी देते हुए हनुमानताल पुलिस ने बताया कि थाने के पीछे रहने वाले तक आशीष बर्मन और अनिल का पुराना विवाद है। वही आज किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में वाद विवाद हुआ और बात इस हद तक जा पहुंची कि दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई, जिसमें एक पक्ष से 4 लोग घायल हुए तो वहीं दूसरे पक्ष से एक व्यक्ति घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराते हुए घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाते हुए मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

लाइन अटैच हुआ एएसआई

जबलपुर, यश भारत। बेलबाग थाने के अंतर्गत थाना प्रभारी व एएसआई की झगड़े की चर्चा पूरे पुलिस महकमे में जमकर चर्चा का विषय बनी रही । पुलिस विभाग में दिन भर इस विवाद पर तरह तरह की बातें दिन भर चलती रही। परंतु शाम होते ही पुलिस अधीक्षक द्वारा एएसआई को झूमा झपटी करने के मामले पर थाने से लाइन अटैच कर दिया गया। मामले को लेकर उच्च पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और थाना कक्ष में झगड़ा करने वाले एएसआई को थाने से हटा दिया गया। विदित हो कि आज बेलबाग थाने में थाना प्रभारी वा थाने में ही पदस्थ एएसआई के बीच ड्यूटी करने की बात को लेकर बहस हो गई थी ।बहस इतनी बढ़ गई कि एएसआई और थाना प्रभारी में धक्का-मुक्की तक हो गई। जिसके बाद यह मामला पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुंचा ?और शाम होते तक विवाद करने वाले एएसआई पर कार्यवाही की गाज गिर गई।

झांसा देकर उड़ाए तीन लाख रुपए

जबलपुर, यश भारत। ।नामी मोबाइल कम्पनी के स्टोर मैनेजर को साइबर ठगों ने फोन किया और क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का झांसा दिया। उसके बाद उन्हें झांसे में लेकर ओटीपी लिया और खाते से दो लाख 94 हजार रुपए उड़ा लिए। मामले की शिकायत पीड़ित ने हनुमानताल थाने में की। पुलिस ने अज्ञात पर मंगलवार को धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज किया।पुलिस ने बताया कि नर्मदा मंदिर निवासी सतेंद्र शर्मा नामी मोबाइल कम्पनी में स्टोर मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उनके मोबाइल फोन पर पांच जून की शाम फोन आया। बात करने वाले ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया और कहा कि उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट तीन लाख रुपए और बढ़ाई जा रही है। उसके बाद सतेंद्र से कहा कि प्रोसेस के दौरान उन्हें ओटीपी आएगा, जिसके बाद खाते से कुछ राशि कटेगी, सतेंद्र उसकी बातों में आ गए और खाते के पैसे गवां दिया।

गुमशुदा की भेड़ाघाट में मिली लाश

जबलपुर, यशभारत। नया मोहल्ला क्षेत्र का रहने वाला युवक अपने घर से भेड़ाघाट शहपुरा में वाहन सुधारने की बात कहकर घर से निकला, तो फिर वापस ना आया। परिवार के लोगों द्वारा सभी जगह युवक की तलाश की गई और जब वह नहीं मिला तो थक हार कर ओमती थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई.वही बुधवार को परिवार के लोगों को फोन से जानकारी मिली कि भेड़ाघाट में एक युवक का शव बरामद हुआ है। परिवार के लोग जब वहां पहुंचे तो उन्होंने शिनाख्त की तो वह उनके परिवार का बेटा निकला। जिसके बाद घर में मातम छा गया। पूरे मामले की जानकारी देते हुए पीडित परिवार के मित्र रमेश ने बताया कि, नया मोहल्ला का रहने वाला मोहम्मद इमरान वाहन सुधारने का काम किया करता था। रविवार को वह अपने घर वालों से शहपुरा में एक वाहन सुधारने की बात कहकर निकला था। लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं आया।

हाइवोल्टेज ड्रामा

जेल गेट के पीछे घटित हुआ दृश्यम मूवी जैसा सीन

लाश मिलने की अफवाह, आधी रात को प्रशासनिक अधिकारियों ने खुदवाया गड्ढा,निकला कुत्ते का शव

जबलपुर, यशभारत। जेल गेट के पास उस वक्त हड़कंप मच गया जब बजरंग दल के कार्यकर्ता पिछले 8 दिनों से लापता अपने कार्यकर्ता को ढूंढने रात के अंधेरे में जेल गेट के पीछे पहुंचे। संगठन के कार्यकर्ताओं का कहना था कि 8 दिन से हमारा कार्यकर्ता लापता है आज लापता युवक के भाई के पास एक अज्ञात नंबर से फोन आया जिसमें कालर ने कहा कि तुम्हारे भाई की लाश को जेल गेट के पीछे की तरफ एक गड्ढे के अंदर दफनाया गया है,जिसके बाद लापता युवक को ढूंढने उसके परिजन व बजरंग दल के कार्यकर्ता जेल गेट के पीछे पहुंच गए। देखते ही देखते पुलिस व प्रशासनिक अमला भी मौके पर पहुंच गया। मामला इतना रोचक हो गया कि सभी की नजरें उस गड्ढे पर टिकी रहे।प्रशासनिक अमले द्वारा जब रात को 2.00 बजे उस गड्ढे को खुदवाया गया तो गड्ढे से युवक की लाश तो नहीं मिली पर उस गड्ढे से कुत्ते का शव जरूर मिला जिसके बाद मौके पर मौजूद लोगों को दृश्यम मूवी याद आ गई।

अफवाहकर्ता पर पुलिस की पैनी नजर

वहीं दूसरी ओर जब अज्ञात कॉलर की बात महज अफवाह निकली तो उसके बाद पुलिस द्वारा मामले पर अपनी पैनी नजर बना ली गई है ।पुलिस का कहना है कि हमारे द्वारा इस अज्ञात कॉलर की जानकारी जुटाई जा रही है और उस नंबर को ट्रेस करने की कोशिश की जा रही है क्योंकि जिस प्रकार से यह अफवाह चारों तरफ फैल रही थी उससे कहीं ना कहीं मामले को आधार बनाकर माहौल को अराजक बनाने की तैयारी थी। परंतु गड्ढा खोदते ही दूध का दूध और पानी का पानी हो गया।

क्या है मामला

लापता युवक के परिजनों के अनुसार 18 जुलाई को सदर निवासी रोहित यादव अपने घर से सुबह दूध बांटने निकला था ।24 घंटे बीत जाने के उपरांत भी वह अपने घर वापस नहीं लौटा ,जिसके बाद परिजनों ने कैंट थाने में युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई ।युवक की तलाश में परेशान परिजनों ने युवक की गुमशुदगी का इस्तेहार अखबार में भी दिया। जिसके बाद आज शाम को एक अज्ञात नंबर से लापता युवक के परिजनों के नंबर पर फोन आया ।अज्ञात कॉलर का कहना था कि 21 जुलाई को सफेद रंग की गाड़ी से आए कुछ लोगों द्वारा लापता युवक को उसने मारते देखा है और जिसको कार वाले लोग मार रहे थे वह तुम्हारा भाई ही है जिसे जेल गेट के पीछे मार के गड्ढा खोदकर गड़ा दिया गया है।

यशभारत लाइव

जानकारी देने के बाद नंबर किया बंद

सबसे रोचक पूर्ण बात यह है कि अज्ञात कालर ने परिजनों को जेल गेट के पीछे आम के पेड़ के पास लोकेशन दी।जब परिजन उस स्थान पर आम के पेड़ के नीचे पहुंचे तो परिजनों ने कहा कि सचमुच में ऐसा प्रतीत हो रहा था कि गड्ढे को ताजा मिट्टी से भरा है और उसके ऊपर दो ईंट रख दी। इस प्रकार की अफवाहों से भरी जानकारी देने के बाद कालर ने नंबर बंद कर दिया।

गड्ढे को खोदने की जिद में अड़े रहे परिजन

परिजनों का कहना था कि कि कहीं ना कहीं यह बात अगर मजाक है तो ठीक है परंतु अगर यह बात सत्य है तो यह सरासर अन्याय वाली बात है की किसी ने हमारे भाई को मारकर इस गड्ढे में दफन कर दिया और प्रशासन अभी तक गड्ढा खोदने की अनुमति प्रदान नहीं कर रहा है।

पहुंचे अधिकारी, खुदवाया गड्ढा

चूंकि पूर्व में मामला बहुत गंभीर लग रहा था इसलिए बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सीधे कलेक्टर से बात की, कलेक्टर द्वारा मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए एसडीएम पंकज मिश्रा व कैंट थाना प्रभारी राजकुमार खटीक को मौके पर पहुंचाया गया। अधिकारियों के पहुंचने के बाद रात को 2:00 बजे गड्ढा खोदा गया और युवक की लाश की बात अफवाह निकल गई।

> अज्ञात युवक की लाश को बोरे में भरकर दफनाने की बात सामने आई थी परंतु जब गढ्ढे को खोदा गया तो वहां से कुत्ते का शव बरामद हुआ है।
>
> **राजकुमार खटीक**
> **केंट टीआई**

> जेल गेट के पीछे तालाब के पास युवक की लाश मिलने की अफवाह सामने आई है पुलिस अमले के साथ मिलकर जब गढ्ढा खुदवाया गया तो गढ्ढे से कुत्ते का शव मिला है
>
> **पंकज मिश्रा**
> **एस डी एम**

दो टूक

जीतते रहे तो अपना भाई हारे तो पहुंचा दिया जेल

सृजन शुक्ला

जिस मसद पर रोज मत्था टेककर आमद मारी जाती थी, आज अपनी आका को खुश करने की खातिर उसी दर पर रोज गिरफ्तारियां करने पुलिस पहुंच रही है। उच्च अधिकारी अपनी कार्यवाहियों पर पीठ तो थपथपा रहे हैं, पर उसी टीम के कुछ सिपाही और हवलदार ऐसे भी हैं जो रोज इस सटोरिए के दफ्तर जाकर आमद मारा करते थे। कई ऐसे हैं जो मास्टर कार्ड और लाइन लिया करते थे, लाइन मतलब आईपीएल की लाइन। यानि कि सट्टेबाजों को पकड़ते - पकड़ते सिपाही व हवलदार स्वयं सटोरिये और बुकी बन गये थे। कुछ तो केवल खत्री की लाइन पर सट्टा ही खेलते थे बस फिर जीत हार तो होनी ही थी। जीते तो वसूली में पैसा डबल और हारे तो खत्री सेठ से उधारी कर ली ।हारते हारते उधारी इतनी बढ़ गई कि चुकारा हो ही नहीं पा रहा था । बस फिर क्या था खत्री ब्रदर्स पर कार्रवाई हो ही रही थी कि क्राइम और कंट्रोल के इन सटोरिये सिपाहियों ने बहती गंगा में हाथ धो लिए। एक्शन की ऐसी धौंस दिखाई कि मारे मारे फिर रहे खत्री बंधुओं ने सिपाहियों और पुलिस अधिकारियों से सट्टे में हारे हुए पैसे लेने से ही मना कर दिया। बस फिर क्या था सिपाहियों से तथाकथित सटोरिए बन बैठे पुलिस वाले खत्री बन्धुओं के चुकारा न लेने की बात पर भारी खुश हैं। अर्थात जिन्होंने सट्टा खेला वही कार्यवाहियों में शामिल हो गए और अपना चुकारा चुका दिया। धन्य है सटोरिए खत्री बंधु जिनके लिए मजाकिया स्तर पर पुलिस के इस एक्शन पर पुलिस गलियारों में एक लाइन जम कर वायरल हो रही है, कि मैडम की त्योरियां खत्री पर टेढ़ी हैं और ये कई पुलिस वालों के लिए राहत की बात है, क्योंकि कहीं न कहीं मैडम की कार्यवाही की आड़ में ये सिपाही, हवलदार खत्री सेठ के चुकारे से बच गए। मामले को लेकर पुलिस महकमे में मजाकिया तौर पर यह चर्चा होती रही कि **जीतते रहे तो अपना भाई हारे तो पहुंचा दिया जेल।**

मुख्यमंत्री श्री चौहान का डुमना विमानतल पर हुआ आत्मीय स्वागत

जबलपुर , यशभारत। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आज सुबह डुमना विमानतल पहुँचने पर आत्मीय स्वागत किया गया । मुख्यमंत्री श्री चौहान का सुबह लगभग 9.20 बजे भोपाल से वायुयान द्वारा डुमना आगमन हुआ था । डुमना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री का स्वागत जिला पंचायत अध्यक्ष संतोष वरकड़े, भाजपा के नगर अध्यक्ष प्रभात साहू एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष सुभाष तिवारी रानू तिवारी, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष कमलेश अग्रवाल ने किया । इस अवसर पर संभाग आयुक्त अभय वर्मा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक उमेश जोगा, पुलिस अधीक्षक टी के विद्यार्थी, अपर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह सहित अन्य अधिकारी विमानतल पर मौजूद थे।

सीओडी सोसायटी का केशियर भी गिरफ्तार

जांच में एक वर्ष में निकला था पौने 3करोड़ का घोटाला

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर को आपरेटिव सोसायटी में हुए घोटाले में हुए पौने तीन करो? के घोटाले के मामले में रांझी पुलिस ने पूर्व केशियर उमेश कटारे को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है।इस मामले में सोसायटी का मेनेजर सुरेश बाबू को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया था।

उल्लेखनीय है कि इसकी शिकायत रांझी थाने में सहकारिता विभाग ने की थी। सहकारिता विभाग की ओर से किये जा रहे आडिट में 2021-22 के एक वर्ष के हिसाब का सहकारिता विभाग द्वारा जांच की गई थी। जिसमें एक प्रभारी के किताब में दो करोड़ 65लाख रुपये का घोटाला सामने आया था।पिछले 4 सालों का साथ पांच आडीटरों की टीम जांच कर रही है। समझा जाता है कि संभवतः जबलपुर में को आपरेटिव सोसायटी में घोटाला है।जिन कर्मचारियों ने कर्ज के लिए आवेदन भी नहीं किया उनके नाम भी लोन दर्शाया गया है। जिसको लेकर सीओडी के कर्मचारी जिन्होंने फिक्स डिपाजिट आदि में पैसा निवेश किया है उसका भी अता पता नहीं कर्मचारियों की मेहनत की गाढ़ी कमाई का पैसा हिस्से के रूप में लगा है वे चिंतित हैं। कर्मचारियों का कहना है कि जांच का काम मंथर गति से चल रहा है। उल्लेखनीय है कि सीओडी में सोसायटी चुनाव के बाद जब सोसायटी प्रशासक नरेन्द्र सोनकर ने नये प्रतिनिधियों के साथसोसायटी का प्रभार लेने की कार्यवाही शुरू की तो उक्त घोटाला सामने आया था।नरेंद्र सोनकर का कहना है कि हमने रिपोर्ट बनाकर रजिस्टार को भेज दी थी।

बदलेगा का मतगणना स्थल

एमएलबी नहीं अब जेएनकेविवि हो सकता है नया केंद्र

जबलपुर ,यशभारत। विधानसभा चुनाव के पहले जिला प्रशासन व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुट गया है। सबसे पहले मतगणना स्थल को बदलने की तैयारी जोर शोर से शुरु हो गई है कहा जा रहा है कि इस बार महारानी लक्ष्मी बाई कन्या स्कूल से मतगणना का काम नहीं होगा इसके लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय को मतगणना स्थल बनाया जा सकता है । साथ ही प्रशासन जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज को भी केंद्र बना सकता है।मालूम हो कि एमएलबी स्कूल प्रबंधन कई बार मतगणना स्थल बनाने को लेकर आपत्ति दर्ज करा चुका है ।स्कूल प्रबंधन ने कलेक्टर सहित जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित एवं मौखिक रूप से बहुत बार जानकारी दी है कि मतगणना केंद्र बनने से स्कूल की शैक्षणिक व्यवस्था है प्रभावित होती है । साथ ही बच्चों की पढ़ाई में इसका सीधा असर पड़ता है। बताया जा रहा है कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग काफी समय से स्कूल प्रबंधन की समस्या को सुलझाने में जुटा था और इसी का नतीजा है कि प्रशासन ने जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय और जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज मतगणना केंद्र बनाने की तैयारी शुरू कर दी है सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इन दोनों संस्थानों में से एक संस्थान पर आगामी विधानसभा चुनाव का मतगणना केंद्र बनाया जा सकता है।

जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज को भी बनाया जा सकता सेंटर

त्रयोदशी संस्कार

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है की मेरी धर्मपत्नी श्रीमति प्रकाश त्रिपाठी का स्वर्गवास दिनांक 15 जुलाई 2023 को हो गया है। अतः ब्रह्मलीन आत्मा की शांति हेतु गंगाजली पूजन एवं त्रयोदशी संस्कार 27 जुलाई 2023 दिन गुरूवार को सुनिश्चित हुआ है अतः पधारकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

शोकाकुल परिवार

वैद्यराज त्रिपाठी (पति), त्रिलोक नाथ त्रिपाठी, पुष्पराज, देवराज त्रिपाठी, अभिषेक त्रिपाठी

कार्यस्थल- रजनी लॉन, सूखा, पाटन रोड, जबलपुर
मो. 9826063379, 9926563379

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन एण्ड प्रिंटर्स 68/1 लक्ष्मीपुर, विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक राजीव उपाध्याय, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.com। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)